सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 204 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 08 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

स्टेडियम में नहीं होगी शराब पीने वालों की एंट्री, हर गेट पर लगेगी जांच मशीन

आरसीबी-एमआई मैच को लेकर प्रशासन की सख्ती, ट्रैफिक रूट भी जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल का रोमांच दिखेगा। 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियन्स के बीच मुकाबला होगा, जबकि 13 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स आमने-सामने होंगे। मैच के दौरान स्टेडियम में शराब पीकर आने वालों को एंट्री नहीं मिलेगी। इसके लिए सभी गेट पर मशीनें लगाई जा रही हैं। वहीं मैच के दौरान लोगों की सहायता के लिए रायपुर पुलिस ने ट्रैफिक रूट भी जारी किया है।

मैच को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने रूट मैप तैयार किया है। जिन दर्शकों के पास कार पास होगा, वे तेलीबांधा और जीई रोड से सेरीखेड़ी ओवरब्रिज होते हुए नवा रायपुर पहुंचेंगे। वहां से स्टेडियम टर्निंग, डॉ. चंदूलाल चंद्राकर चौक, कयाबांधा चौक, कोटराभाटा चौक, पलौद चौक और सेंध गांव मार्ग से स्टेडियम तक पहुंच सकेंगे। ऐसे दर्शकों के लिए स्टेडियम परिसर में ए, बी, सी, डी और ई पार्किंग निर्धारित की गई है।

इन पर रहेगा बैन

सुरक्षा को देखते हुए शराब पीकर पहुंचने वालों को प्रवेश नहीं मिलेगा। हर एंट्री गेट पर जांच मशीनें लगेंगी। स्टेडियम के भीतर शराब, सिगरेट, गुटखा, लाइटर, बोतल, पटाखे, हथियार, लेजर लाइट, कैमरा, सेल्फी स्टिक, लैपटॉप, बैग और ज्वलनशील पदार्थ अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। दर्शकों समय से पहले स्टेडियम पहुंचना होगा। वैध टिकट या पास धारकों को ही स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा।

मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

मुख्य सचिव विकासशील ने विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और मैच से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव के इन कड़े निर्देशों के बाद अब नवा रायपुर का प्रशासन क्रिकेट के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह मुस्तैद है, जिससे दर्शकों को एक सुरक्षित और आनंदमयी अनुभव मिल सके। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि दर्शकों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।

ट्रैफिक का रूट प्लान

- रायपुर से आने वाले तेलीबांधा, सेरीखेड़ी ओवरब्रिज होकर स्टेडियम पहुंचेंगे, पार्किंग सत्यसाई अस्पताल व सेंध तालाब।
- महासमुंद, सरायपाली, रायगढ़ से आने वाले आरंग-नवागांव मार्ग से स्टेडियम पहुंचेंगे, पार्किंग परसदा और कोसा।
- राजनांदगांव, दुर्ग से आने वाले टाटीबंध, पचपेड़ी नाका, सेरीखेड़ी होकर स्टेडियम पहुंचेंगे, पार्किंग सेंध तालाब।
- बस्तर, कांकेर, बालोद, धमतरी से आने वाले मंत्रालय चौक, सेंध तालाब होकर स्टेडियम पहुंचेंगे।
- बलौदाबाजार, खरोरा से आने वाले विधानसभा ओवरब्रिज, मंदिर हसौद, नवागांव होकर स्टेडियम पहुंचेंगे।
- बिलासपुर और कवर्धा से आने वाले धनेली नाला, रिंग रोड-3, नवागांव होकर स्टेडियम पहुंच सकते हैं।

स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम TARA का परीक्षण उड़ान हुआ सफल

नईदिल्ली। भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड वेपन सिस्टम 'टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन' का पहला सफल परीक्षण उड़ान किया गया है।

ओडिशा तट के पास गुरुवार को किए गए इस परीक्षण को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायुसेना ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की प्रिसिजन स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, TARA भारत का पहला स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम है, जिसे बिना दिशा-निर्देश वाले वारहेड को अत्यधिक सटीक निशाना साधने वाले प्रिसिजन गाइडेड हथियार में बदलने के लिए विकसित किया गया है। इस तकनीक के जरिए पारंपरिक और कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

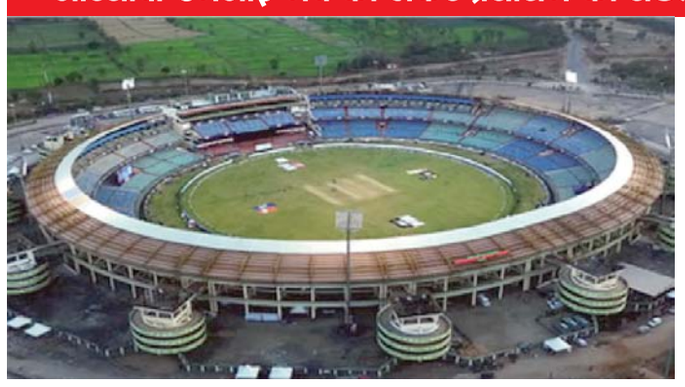

मंत्रालय ने बताया कि इस प्रणाली को हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च सेंटर इमारत ने अन्य डीआरडीओ लैब्स के सहयोग से विकसित किया है। इसका उद्देश्य कम लागत में ऐसे अत्याधुनिक हथियार तैयार करना है, जो दुश्मन के जमीनी ठिकानों को बेहद सटीकता के साथ निशाना बना सकें। विशेषज्ञों के मुताबिक, ग्लाइड वेपन सिस्टम पारंपरिक बमों को आधुनिक गाइडेंस तकनीक से लैस करता है, जिससे वे लंबी दूरी तक जाकर लक्ष्य को अधिक सटीकता से भेद सकते हैं। ञ्चक्रप्रणाली में अत्याधुनिक लेकिन कम लागत वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों को कम खर्च में उच्च क्षमता वाले हथियार उपलब्ध हो सकेंगे।

खास-खबर

अंबिकापुर में महामाया पहाड़ पर वन विभाग का चला बुलडोजर

सरगुजा। जिले के अंबिकापुर शहर से लगे महामाया पहाड़ स्थित रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में वन विभाग ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की है। शुक्रवार सुबह वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम बुलडोजर के साथ डबरीपानी क्षेत्र पहुंची। यहां अवैध रूप से बने मकानों को ढहाया गया। वन विभाग के अनुसार, महामाया पहाड़ के कक्ष क्रमांक 2581 और 2582 में अवैध कब्जों को हटाने के लिए मार्च 2026 में 157 लोगों को अंतिम बेदखली नोटिस जारी किया गया था। भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने आरोप लगाया कि नोटिस अवधि 27 मार्च को समाप्त होने के बाद भी कार्रवाई में देरी हुई। गुरुवार रात वन विभाग की टीम ने डबरीपानी क्षेत्र में पहुंचकर मकान खाली करने की घोषणा की। संबंधित नोटिस भी चस्पा किए गए। अगले ही दिन शुक्रवार सुबह फॉरेस्ट एसडीओ श्वेता कम्बोज के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू हुई। इसमें 20 अवैध निर्माण हटाए गए।

अवैध कोयला परिवहन पर कार्रवाईः खनिज विभाग ने 2 ट्रेलर किए जब्त

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में अवैध कोयला परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने देर रात जांच के दौरान अवैध रूप से कोयला ले जा रहे दो ट्रेलर वाहनों को जब्त किया। इन पर लगभग 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इस सप्ताह विभाग ने कुल 11 वाहनों पर कार्रवाई की है, जिनमें हाइवा और ट्रैक्टर भी शामिल हैं। यह कार्रवाई कोटमी अड़भार क्षेत्र में की गई। खनिज विभाग की टीम ने कोयला परिवहन करने वाले वाहनों की जांच के लिए अभियान चलाया। इसी दौरान कोयले से भरे दो ट्रेलर वाहन (स्ब्क्क्च९स्न2103 और स्ब्क्क्च८स्न2118) को रोका गया। वाहन चालकों से ई-ट्रांजिट पास मांगे गए। पास में कोयला लोडिंग स्थल मां तारा ट्रेडर्स रतनपुर, जिला बिलासपुर दर्ज था।

एसईसीएल गेवरा के पूर्व जीएम की सड़क हादसे में मौत

कोरबा। एसईसीएल गेवरा एरिया के पूर्व महाप्रबंधक अरुण कुमार त्यागी का गुरुवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। वे हाल ही में निर्देशक तकनीकी पद पर पदोन्नत हुए थे और सिंगरौली में अपनी नई पदस्थापना जॉइन करने के लिए गेवरा से रवाना हुए थे।जानकारी के अनुसार, अरुण कुमार त्यागी रात करीब 12 बजे अपनी इनोवा कार से गेवरा से निकले थे। कोरबा-चोटिया मार्ग पर चोटिया के पास उनकी कार की एक पार्सल वाहन से टक्कर हो गई। इस हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तत्काल अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार सुबह करीब 3 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्श्वष्टरु के अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे।

हायर सेकेंडरी कॉपी जांच में लापरवाही, तीन साल के लिए 30 शिक्षक हुए ब्लैकलिस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गंभीर गड़बड़ी पाए जाने पर 30 शिक्षकों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की है। मंडल ने संबंधित शिक्षकों को आगामी तीन वर्षों तक बोर्ड के सभी कार्यों से ब्लैकलिस्ट कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान कई विद्यार्थियों के अंकों में 20 से 40 नंबर तक का अंतर पाया गया। इतने बड़े बदलाव को मंडल ने मूल्यांकन में गंभीर लापरवाही माना और जांच के बाद संबंधित शिक्षकों पर कार्रवाई का फैसला लिया।

मंडल की ओर से जारी आदेश में संबंधित शिक्षकों की एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने की अनुशंसा भी की गई है। बताया जा

रहा है कि कॉपी जांच के दौरान अंक देने में भारी त्रुटियां और लापरवाही सामने आने के बाद यह सख्त कदम उठाया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी तरह की लापरवाही न हो।

राज्यपाल रवि ने भंग की पश्चिम बंगाल विधानसभा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि गुरुवार को राज्य की विधानसभा भंग कर दी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया है। लोक भवन, पश्चिम बंगाल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174(2)(b) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किया गया है। बता दें इससे दो दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल हमें बर्खास्त कर दें लेकिन इस्तीफा नहीं देंगे।

पाकिस्तान की आईएसआई ने रची दिल्ली हरियाणा में आतंकी हमलों की साजिश

नईदिल्ली ए.। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक लोकप्रिय ढाबे और हरियाणा के एक सैन्य शिविर पर हमले की कथित साजिश रची थी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सूत्रों ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत कई राज्यों से मॉड्यूल के नौ कथित गुर्गों को गिरफ्तार किया। इन गुर्गों से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है। जांचकर्ताओं ने

पाया कि एक आरोपी ने दिल्ली के ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी। उसने परिसर की तस्वीरें पाकिस्तान स्थित आकाओं को सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से भेजी थीं। मॉड्यूल ने मंदिर पर तैनात पुलिस कर्मियों और अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उनका इरादा दहशत और व्यवधान पैदा करने के लिए गोलीबारी करने का था।

आरोपियों को दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक प्रसिद्ध ढाबे पर ग्रेनेड हमला करने का भी काम सौंपा गया था। इस ढाबे पर प्रतिदिन हजारों लोग आते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान और हताहतों की संख्या हो सकती थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि हिसार में एक सैन्य शिविर का भी कथित तौर पर सर्वेक्षण किया गया था। इस क्षेत्र के वीडियो सीमा पार आकाओं के साथ साझा किए गए थे। उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थाने भी आईएसआई की टारगेट लिस्ट में थे।

छत्तीसगढ़ का मौसमः 20 से ज्यादा जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

रायुपर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले पांच दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में धीरे-धीरे 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं कई जिलों के लिए बारिश और बिजली गिरने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कांकेर, धमतरी, बलौदाबाजार, बिलासपुर, जशपुर, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर समेत 20 से ज्यादा जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

रायपुर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकांश इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना रहा। केवल राजनांदगांव में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तमिलनाडु में सरकार बनने पर पेंच, टीवीके का प्रदर्शन

विजय ने कहा- डीएमके और एआईएडीएमके ने किया दावा हमारे सभी विधायक देंगे इस्तीफा

चेन्नई ए.। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की सरकार बनने पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच डीएमके और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन होने की खबर है। इस पर टीवीके ने कहा कि अगर दोनों द्रविड़ पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश करती हैं, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे।

टीवीके को अब शक है कि दोनों पार्टियां सबसे ज्यादा जनसमर्थन पाने वाली पार्टी को

सत्ता से बाहर करना चाहती हैं। सूत्रों के मुताबिक यह फैसला डीएमके और एआईएडीएमके खेमों की पिछले दो दिनों में हुई दो बैठकों के बाद लिया गया। इस बीच, टीवीके समर्थकों ने शुक्रवार सुबह गवर्नर हाउस (लोकभवन) के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस ने कई समर्थकों को हिरासत में लिया है।

राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने गुरुवार को दूसरी बार टीवीके प्रमुख विजय के सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था। उनसे कहा कि वे बहुमत साबित करने के लिए 118 विधायकों के हस्ताक्षर लेकर ही लौटें। हालांकि, राज्यपाल ने विजय को आश्वासन दिया है कि वे किसी अन्य पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं करेंगे।

बीसीसीआई की सख्त गाइडलाइन वेपिंग-हनीट्रैप को लेकर चेतावनी

नियम तोड़ने पर कड़ा एक्शन तय

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए आठ पन्नों का

निर्देश जारी किया, जिसमें मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को निर्धारित करते समय प्रोटोकॉल के कुछ गंभीर उल्लंघनों के बारे में चिंता व्यक्त की गई है, जिनका निकट भविष्य में सख्ती से पालन करना जरूरी होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को जो पत्र लिखा है, उसकी एक प्रति न्यूज एजेंसी पीटीआई ने जारी की है।

सैकिया ने पत्र में कहा है, 'मौजूदा सत्र के दौरान कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से अपेक्षित पेशेवरपन, अनुशासन, सुरक्षा जागरूकता और प्रोटोकॉल का पालन करने के मानकों को मजबूत करना है।' बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी एवं सुरक्षा इकाई (एसीएसयू) ने उल्लंघनों के कुछ मामलों की रिपोर्ट की है और बोर्ड ने इनकी ओर इशारा करते हुए स्थिति को स्पष्ट किया है।

बंगाल में भाजपा का शपथ ग्रहण होगा खास कोलकाता का ऐतिहासिक ब्रिगेड ग्राउंड तैयार

स्टेज पर दिखेगी दुर्गा प्रतिमा और झालमुड़ी का रंग

कोलकाता। बंगाल की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन को लेकर पार्टी इसे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजन के रूप में पेश करने की तैयारी में है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

ब्रिगेड ग्राउंड में विशाल मंच तैयार किया जा रहा है, जहां एक बड़ी दुर्गा प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। मंच के आसपास बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाले कई प्रतीक

और प्रतिष्ठित हस्तियों के चित्र लगाए जाएंगे। आयोजन स्थल पर दर्जनों फूड स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं, जहां झालमुड़ी, रसोगोला और संदेश जैसे पारंपरिक बंगाली व्यंजन परोसे जाएंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ शपथ ग्रहण नहीं बल्कि बंगाली संस्कृति के उत्सव जैसा आयोजन होगा।

सुरक्षा की व्यापक तैयारियां

शहर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने गुरुवार को ब्रिगेड ग्राउंड पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। पुलिस, नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों की कई टीमें लगातार मैदान का निरीक्षण कर रही हैं।

संपादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

बंगाल में कानूनी व्यवस्था की हो बहाली

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है।

> “ उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया।

यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है,अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ !

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है।

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं तथा श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

'प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' हमारे रोजगार मॉडल को बदल रही है

एन. रघुरामन

चीन के झेजियांग प्रांत के वेनझोउ में रहने वाले लेन लू की नई शादी हुई थी और वे कुछ अतिरिक्त कमाई तलाश रहे थे। तभी उन्हें 'शियानयू' (चीनी भाषा में अनुपयोगी मछली) नाम की एक वेबसाइट का पता चला। यह चीन का सबसे बड़ा कंज्यूमर-टु-कंज्यूमर सेकंड हैंड मार्केटप्लेस है।

अलीबाबा ग्रूप का यह प्लेटफॉर्म मुख्यत: एक एप के तौर पर संचालित होता है, जो ताओबाओ और अलीपे जैसे पेमेंट एप्स से लिंक्ड है। यूजर्स इस पर कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर दुर्लभ कलेक्टर आइटम जैसी पुरानी चीजें खरीद और बेच सकते हैं। लू ने अनायास इस पर एक लिस्ट पोस्ट कर दी और फिर जो हुआ, उसने उन्हें चौंका दिया।

देशभर से बहुत लोगों ने उनसे संपर्क किया। इसी दौरान उनका एक हजार युआन का फिलिप्स इलेक्ट्रिक टूथब्रश खराब हो गया। उसे बेचकर नया लेने के बजाय उन्होंने उसे खोलकर देखा और लगा कि इसे ठीक करना आसान है। इसी पल ने उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने औपचारिक रूप से खुद को शियानयू पर 'स्मॉल एप्लायंस रिपेयर' सेवा के रूप में लिस्ट कर दिया।

महज एक स्मार्टफोन और चीजें ठीक करने की इच्छा- बस उनका स्टोर खुल गया, वो भी बिना किसी डिपॉजिट और कर्मचारियों के। गैजेट्स के साथ छेड़छाड़ के शौकीन लू ने मांग आधारित गिग जॉब शुरू कर दी। उन्हें यकीन नहीं हुआ कि इससे सालाना 2 लाख युआन (करीब 27,80,650 रुपए) से ज्यादा कमाई हो सकती है। घर में खराब हुई हर चीज अब उनके पास आने लगी।

उन्होंने काम दो हिस्सों में बांट लिया। पहले, वो वृद्धाश्रम में कंसल्टेंट की सेवा देते थे और फिर घर पर रात दो बजे तक काम करना उनकी दिनचर्या बन गया। इसके बाद बड़े बदलाव हुए। इस साइड बिजनेस ने उनके करियर को लेकर परिजनों का नजरिया बदल दिया। उनके पैरेंट्स पहले स्थायी नौकरी के पक्ष में थे, लेकिन फिर बदल गए। पिता को लगता है कि बेटा शानदार काम कर रहा है और उसकी खूब डिमांड है।

अंतत: लू को भी लगा कि उन्हें परिवार को अपनी कीमत दिखाने का जरिया मिल गया। और जब भी वे कोई चीज सुधारते हैं तो व्यक्तिगत तौर पर उन्हें उपलब्धि का एहसास होता है और बोरियत नहीं होती। इससे भी बढ़कर, आज वे और उनका परिवार इस काम को दार्शनिक नजरिए से देखते हैं। उन्हें लगता है कि लू का काम 'डिस्पोजेबल कंजम्पशन' का जवाब है।

यानी, जिन डिवाइसेज को लोग फेंक देते, उनकी उम्र बढ़ाकर वे पृथ्वी को बचा रहे हैं। मसलन, एक वॉटर फ्लॉसर, जो कुछ युआन में रिपेयर होकर कई साल चल सकता है। यह सिर्फ लू या उनके जैसे चंद लोगों की कहानी नहीं, बल्कि यह उस उभरते ट्रेंड को दिखाता है कि युवा रोजगार के अवसरों को किस नजरिये से देखते हैं। युवाओं द्वारा रोजगार अवसरों को प्राथमिकता देने के तरीकों की पड़ताल करने वाली 'चाइना न्यू एम्प्लॉयमेंट रिसर्च सेंटर' की ताजा रिपोर्ट भी कहती है कि चीन के युवा स्थायी और दीर्घकालीन नौकरियों के बजाय 'विविध भूमिकाओं और पहचान' वाले लचीले मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं। तो अब सवाल है कि लोग सेकंड हैंड सामान क्यों खरीदेंगे?

इसकी वजह है कि लोगों के खर्च करने का तरीका अब महज चीजें खरीदने से हटकर अनुभव लेने और व्यक्तिगत विकास की ओर बढ़ रहा है। इसी से वो डिजिटल सेवाएं पनपी हैं, जो उसी सामान को आधी कीमत पर देती हैं।

कल्पना कीजिए कि आप जा रहे हैं और सामने से गांव के चाचा दातुन के बदले इलेक्ट्रिक टूथब्रश लेकर आ रहे हैं। वे कहते हैं कि 'बेटा रुक जावा, ब्रश को बंद कर दूं', फिर वे जवाब देने से पहले ब्रश स्विच-ऑफ करते हैं। लेकिन, जिस दिन ऐसा होगा, तब तक हमारे युवा टास्क-बेस्ड रोजगार मॉडल का फायदा उठाने में बहुत लेट हो चुके होंगे।

फंडा यह है कि युवाओं में उभरती गिग वर्क कल्चर और बढ़ती प्लेटफॉर्म इकॉनोमी आपस में मिलकर उस तरीके को बदल रही हैं, जिससे पहले युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते थे। हमारे युवाओं को दुनिया के कुछ हिस्सों में सामने आ रहे इस बदलाव के दौर से चूकना नहीं चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूरः संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया

लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं है; यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थीं इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु-क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा।

इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित किया। इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल-प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गई, ये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था।

भारत की बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं है; यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य-निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित किया—समन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक।

नागरिक-सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं था; यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकों निगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तक, ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय-निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर-एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा।

अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाए सटीक, आवश्यक और समानुपाती।

दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत

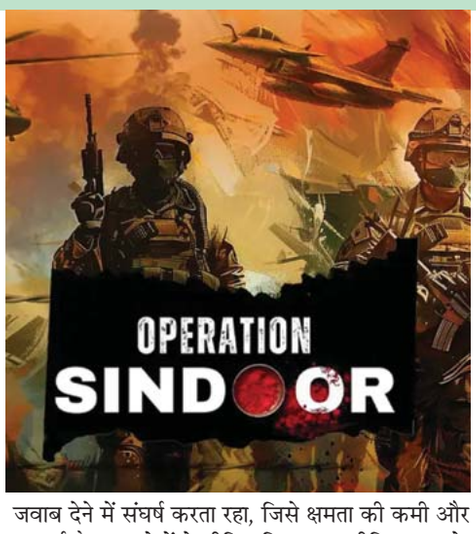

जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं।

इस झूठे प्रचार का स्पष्टता और आत्मविश्वास से सामना करना और विरोध करना आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय आक्रामकता नहीं थी, बल्कि यह स्पष्ट उकसावे पर संतुलित प्रतिक्रिया थी। उद्देश्यों में सटीकता थी, लक्ष्य वैध थे, और क्रियान्वयन अनुशासित था। भारत की कार्रवाई ने अनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांतों का पालन किया; जो संयम के विशेष लक्षण हैं। भारत ने पूरी प्रक्रिया में सूचना की सत्यनिष्ठा बनाए रखी। पारदर्शिता बनाए रखकर और विश्वसनीय संचार चैनलों का उपयोग करके, भारत ने आख्यान को तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया।

ऑपरेशन सिन्दूर से कई सबक सामने आये हैं, जो भविष्य के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सबसे पहले, राजनीतिक इच्छाशक्ति की केंद्रीय भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। रणनीतिक अस्पष्टता अक्सर विरोधियों का हौसला बढ़ाती है; स्पष्टता उन्हें हतोत्साहित करती है। दूसरा, बहु-क्षेत्रीय एकीकरण का विकास लगातार जारी रहना चाहिए। बढ़त बनाए रखने के लिए साइबर, अंतरिक्ष, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण होगा। तीसरा, नागरिक-सैन्य समन्वय को और अधिक संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए, ताकि राष्ट्रीय शक्ति का समन्वित तरीके से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

एक अन्य महत्वपूर्ण सबक सूचना युद्ध के क्षेत्र में निहित है। धारणा की लड़ाई सतत और सीमाहीन होती है। भारत को गलत जानकारी का पता लगाने, उसका मुकाबला करने और पूर्व-कार्रवाई करने की अपनी क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए। त्वरित और विश्वसनीय संचार के लिए इसमें केवल तकनीकी उपकरण ही नहीं, बल्कि संस्थागत तंत्र भी शामिल हैं। आख्यान को जीतना रणनीतिक सफलता को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। ऑपरेशन सिंदूर रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता के महत्व को भी सुदृढ़ करता है। स्वदेशी प्रणालियों ने अपनी योग्यता साबित की, जिससे बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम हुई और संचालन से जुड़ी स्वायत्तता बढ़ी। अनुसंधान, विकास और नवाचार में निरंतर निवेश के माध्यम से इस गति को बनाए रखा जाना चाहिए। इस प्रयास में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच तालमेल महत्वपूर्ण होगा।

अंतत:, यह अभियान अस्थिर सुरक्षा वातावरण में हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। निवारण एक स्थिर अवधारणा नहीं है; इसे प्रदर्शित क्षमता और संकल्प के माध्यम से मजबूत किया जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर ने एक मानक स्थापित किया है, लेकिन इस स्थिति को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण, और सैद्धांतिक विकास के माध्यम से सतत प्रयास की जरूरत है।

जब भारत ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर विचार करता है, तो व्यापक संदेश स्पष्ट हैं। यह रणनीतिक व्यक्तव्य के साथ एक अभियान था। इसने यह दिखाया कि भारत के पास अपने हितों की रक्षा करने की निर्णायक क्षमता और इच्छा दोनों मौजूद है। इसने यह दर्शाया कि संयम अपनाना एक विकल्प है अनिवार्यता नहीं।

आने वाले वर्षों में, ऑपरेशन सिंदूर का अध्ययन बहु-क्षेत्रीय प्रभावी अभियानों के उदाहरण के रूप में किया जाएगा, जिसमें मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय एकजुटता के तत्व मौजूद हैं। इसने अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित किया है भारत के भीतर और देश के बाहर दोनों में। इससे भी महत्वपूर्ण, इसने एक सरल लेकिन शक्तिशाली सिद्धांत को सुदृढ़ किया है; जब राष्ट्रीय संकल्प का क्षमता के साथ संयोजन होता है, तो परिणाम निर्णायक होते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की विरासत केवल इसकी तात्कालिक सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस आत्मविश्वास में निहित है जो इसने पैदा किया है, उन सबकों में निहित है, जो इसने आत्मसात किए हैं और उस मार्ग में निहित है, जो इसने भारत के सामरिक भविष्य के लिए निर्धारित किया है। अनसुलझे संघर्ष भारत की परीक्षा लेते रहेंगे विभिन्न क्षेत्रों में और विकसित होते प्ररूपों में। फिर भी, जब तक राष्ट्र के राजनीतिक, सैन्य और संस्थागत प्रभाग एक साथ कार्य करेंगे, स्पष्टता और उद्देश्य के साथ अपनी क्षमताओं को एकीकृत करेंगे, प्रभाव का संतुलन भारत के पक्ष में रहेगा।

लेखक बिहार के राज्यपाल और भारत के श्रीनगर स्थित चिनार कॉर्प्स के पूर्व कमांडर हैं

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

निगम ने की आकाशगंगा व्यावसायिक परिसर की दुकान सील

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर अंतर्गत आकाशगंगा व्यावसायिक परिसर ब्लॉक क्रमांक स्न, दुकान क्रमांक 163 के ऊपर प्रथम तल पर निर्मित दुकान को निगम प्रशासन द्वारा आज अपने अधिपत्य में लिया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि संबंधित दुकानदार को पूर्व मे नोटिस जारी किया गया था। जिसके तहत नियमानुसार निगम के अधीन लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। इस दौरान निगम अमला उपस्थित रहा तथा पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक नियमों के तहत संपन्न कराई गई। निगम प्रशासन ने कहा कि निगम संपत्तियों एवं व्यावसायिक परिसरों के संबंध में समय-समय पर जांच एवं कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बीएसपी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2026 के लिए पंजीयन प्रारंभ

भिलाई। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा दिनांक 11 मई 2026 से 30 मई 2026 तक स्कूली बच्चों हेतु ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित की जा रही है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के लिये सभी संबंधित ग्राउंड्स/स्टेडियम में खिलाड़ियों का पंजीयन दिनांक 07 मई 2026 से 15 मई 2024 के मध्य किया जायेगा। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2026 में शामिल 19 खेलों का विभिन्न खेल परिसरों, शालाओं के हॉल एवं क्रीड़ागणों में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। 19 खेलों की सूची निम्न है- एथलेटिक्स, बॉल बैडमिन्टन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंडबॉल, कराटे, जूडो, टेनिस, वॉलीबॉल, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग, सायकल पोलो/साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, कुश्ती तथा खो-खो। इस प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को अनुभवी प्रशिक्षकों (कोच) द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है।

खरीफ2026 हेतु उर्वरक भंडारण एवं वितरण पर प्रतिबंध नहीं

दुर्ग। खरीफवर्ष 2026 के लिए जिले में उर्वरकों के भंडारण और वितरण की स्थिति के संबंध में उप संचालक कृषि, जिला दुर्ग ने बताया कि जिले के सहकारी और निजी केंद्रों में उर्वरकों की बिक्री या वितरण पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। चालू खरीफ सीजन के लिए अप्रैल माह से अब तक निजी खुदरा विक्रेताओं और सहकारी समितियों के माध्यम से लगभग 1425 मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। शासन ने पारदर्शिता बनाए रखने और सभी किसानों को समान रूप से खाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मैदानी अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। अब उर्वरकों का वितरण कृषकों की भूमि धारिता और फसल की वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर केवल पॉस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जाएगा। खाद प्राप्त करने के लिए सीधे अधिकृत विक्रय केंद्रों से संपर्क करें।

वैशाली नगर को बड़ी सौगात : 9 मई से होगा शुरू भिलाई का पहला सखी वन स्टॉप सेंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सहायता और त्वरित परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने भिलाई का पहला सखी वन स्टॉप सेंटर प्रारंभ होने जा रहा है। यह सेंटर फरीद नगर आत्मानंद स्कूल के पास स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन 9 मई को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा किया जाएगा।

यह सेंटर महिलाओं को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अस्थायी आश्रय जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराएगा। घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, यौन उत्पीड़न, बाल विवाह, मानव तस्करी एवं अन्य महिला अपराधों से पीड़ित महिलाओं को यहां तत्काल सहायता मिल सकेगी।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा में

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सखी वन स्टॉप सेंटर के शुरू होने से बहनों और बेटियों को संकट की घड़ी में भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें एक ही स्थान पर हर जरूरी सहायता उपलब्ध होगी। यह केंद्र महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम साबित होगा।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हमारी कोशिश है कि वैशाली नगर विधानसभा महिलाओं के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त क्षेत्र के रूप में पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र महिलाओं को आत्मबल देने के साथ-साथ समाज में बेटियों और महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच को भी मजबूत करेगा।

महिलाओं के लिए होगा एक समर्पित मंच

जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जामुलकर ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता का एक समर्पित मंच होगा। यहां पीड़ित महिलाओं को पुलिस समन्वय, मेडिकल सुविधा, काउंसलिंग, विधिक सहायता तथा आवश्यकता पड़ने पर अस्थायी आश्रय भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही महिला हेल्पलाइन 181 से भी सेंटर को जोड़ा गया है, ताकि संकट की स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि केंद्र में प्रशिक्षित स्टाफकी नियुक्ति की जा रही है और महिलाओं की गोपनीयता एवं सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। सेंटर का उद्देश्य केवल सहायता देना ही नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत करना भी है।

आईआईटी भिलाई के फैकल्टी को इनोवेटिव रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए मिला पीएमईसीआरजी सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई के पांच फैकल्टी सदस्यों को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट (पीएमईसीआरजी) मिला है। डॉ. कृष्ण मुरारी असिस्टेंट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, डॉ. कचाला नानाजी असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग और एडजंक्ट फैकल्टी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. सैकत साहू असिस्टेंट प्रोफेसर, मेकाट्रॉनिक्स विभाग, डॉ. नितिन बी असिस्टेंट प्रोफेसर, सामग्री विज्ञान और धातुकर्म इंजीनियरिंग विभाग और डॉ. अविजित साहा असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग को वर्ष 2025-26 के लिए यह प्रतिस्पर्धी ग्रांट प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट (पीएमईसीआरजी) भारत में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की एक प्रतिष्ठित पहल है। यह ग्रांट, जो 3 वर्षों की अवधि के लिए दिया जाता है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास करने वाले शुरुआती करियर के शोधकर्ताओं को प्रदान किया जाता है। डॉ. मुरारी के प्रोजेक्ट हाइब्रिड एसी-डीसी वितरण नेटवर्क के लिए उन्नत कम्प्यूटेशन और वितरित नियंत्रण ढांचा का उद्देश्य हाइब्रिड एसी-डीसी वितरण नेटवर्क के विश्लेषण, अनुकूलन और नियंत्रण के लिए एक उन्नत ढांचा विकसित करना है। डॉ. नानाजी का प्रोजेक्ट उच्च-वोल्टेज, टिकाऊ लिथियम-आयन बैटरी निर्माण के लिए एक स्केलेबल मार्ग स्थापित करने हेतु बॉल-मिल्ड नैनो-एलएमएफपी को ड्राई इलेक्ट्रोड तकनीक के साथ एकीकृत करना।

इसी प्रकार डॉ. साहू का शोध सीढ़ीदार खेती में चोट से बचाव और दक्षता बढ़ाने के लिए एक हाइब्रिड बैक-सपोर्ट एक्सोस्केलेटन का विकासष् एक नवीन हाइब्रिड पहनने योग्य एक्सोस्केलेटन विकसित करने में विशेषज्ञता रखता है। यह एक्सोस्केलेटन सक्रिय और निष्क्रिय, दोनों तरह के तंत्रों को एकीकृत करता है, ताकि ऐसे कठिन वातावरण में काम करने वाले किसानों की सहायता की जा सके।

डॉ. नितिन का प्रोजेक्ट बेहतर उच्च-तापमान प्रदर्शन और हाइड्रोजन एम्ब्रिटलमेंट प्रतिरोध के लिए उन्नत बहु-चरण संरचनात्मक मिश्र धातुओं का विकासष् कम्प्यूटेशनल मिश्र धातु डिजाइन तकनीकों और सूक्ष्म-संरचना इंजीनियरिंग का उपयोग करके एक नई बहु-चरण मिश्र धातु के डिजाइन और विकास पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य हाइड्रोजन को सुरक्षित रूप से फँसाना और हाइड्रोजन एम्ब्रिटलमेंट (हाइड्रोजन के कारण धातु का भंगुर होना) को रोकना है।

यह शोध सीधे तौर पर भारत के राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करता है, जिससे एक सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय हाइड्रोजन बुनियादी ढाँचे के निर्माण में योगदान मिलता है।

डॉ. साहा का कार्य और बायोइमेजिंग के लिए पर्यावरण-अनुकूल क्वांटम नैनोमटेरियल उत्सर्जक नए पर्यावरण-अनुकूल, शॉर्टवेव इन्फ्रारेड-सक्रिय क्वांटम डॉट्स विकसित करने और एसडब्ल्यूआईआर लाइट एमिटिंग डायोड तथा बायोइमेजिंग के क्षेत्र में उनके अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है। यह प्रतिष्ठित ग्रांट आईआईटी भिलाई के फैकल्टी सदस्यों को उनके अत्याधुनिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए बेहतरीन सहयोग प्रदान करती है। आईआईटी भिलाई इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए इन सभी युवा और प्रतिभाशाली फैकल्टी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता है।

9 मई को दुर्ग कोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 9 मई को जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ-साथ विभिन्न प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत आम नागरिकों को सरल, सुलभ, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण न्याय प्रदान करने का एक प्रभावी माध्यम है, जिसमें पक्षकार आपसी संवाद एवं सहमति के आधार पर अपने विवादों का समाधान कर सकते हैं। लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उक्त अवसर पर मध्यस्थता केन्द्र दुर्ग में भी विशेष रूप से मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रयास किए जाएंगे। मध्यस्थता की प्रक्रिया में पक्षकार स्वयं समाधान का मार्ग निर्धारित करते हैं। न्यायालय से संबंधित सिविल, आपराधिक, वैवाहिक, पारिवारिक, बैंकिंग, चेक अनादरण, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम, विद्युत एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत किए जाने हेतु पक्षकारों को प्रेरित किया जा रहा है।

बारिश से पहले नाला-नालियों की सफाई अभियान तेज, निगम अमला जुटा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आगामी वर्षाऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के सभी छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की सफाई युद्ध स्तर पर कराई जा रही है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाकर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो।

निगम द्वारा स्मृति नगर दीनदयाल कॉलोनी, संजय नगर तालाब के सामने, सूर्यकुंड के पीछे स्थित पोलियो अस्पताल, वार्ड क्रमांक 31 दुर्गा पारा तथा जोन-04 खुर्सीपार क्षेत्र में लगातार सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। सफाई कर्मियों द्वारा नालियों में जमी गंदगी, कचरा एवं अवरोधों को हटाकर पानी के सुचारू बहाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर निगम के सभी जोन का स्वास्थ्य विभाग अमला अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटा हुआ है।

सिंधी साहित्य एकेडमी की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर सुषमा जेठानी का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुषमा जेठानी को सिंधी साहित्य एकेडमी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से सुषमा जेठानी का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भिलाई-3 पंचायत के अध्यक्ष शमन लाल नथानी तथा वैशाली नगर श्रीराम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दिलीप पवानी ने भी स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में अजय भसीन ने कहा कि यह एक सरल, सहज और सच्चे व्यक्तित्व का सम्मान करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सुषमा दीदी जहां एक ओर पार्टी के लिए सदैव सक्रिय रहती हैं, वहीं समाज सेवा के कार्यों में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती हैं। उनकी नियुक्ति से सिंधी साहित्य एवं संस्कृति को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। कार्यक्रम में खुर्सीपार पंचायत, सेक्टर 4 सिंधी पंचायत व समाज के समाज के लोग उपस्थित रहे।

बेटी के जन्म पर विधायक रिकेश ने दिया 'मां का दुलार' किट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन आज अपनी अनूठी मुहिम 'मां-शिशु सुरक्षा कवच' के तहत वार्ड-21 के निवासी शाहनियाज आलम के घर पहुंचे। यहां उन्होंने शाहनियाज आलम और शबनम खातून की नवजात सुपुत्री, जिसका नाम परिवार ने प्यार से 'लाडो' रखा है, को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया।

विधायक रिकेश ने 1 मई से अपने क्षेत्र में जन्म लेने वाली हर बेटी के 'चाचा' बनकर उसका स्वागत करेंगे। इसी कड़ी में आज वे आलम जी के निवास पहुँचे और नन्ही 'लाडो' को अपनी गोद में लेकर दुलार किया। उन्होंने परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विधायक ने परिवार को 'माँ का दुलार' उपहार स्वरूप भेंट किया। यह एक विशेष गिफ्ट ट्रॉली सूटकेस है, जिसमें नवजात शिशु और माँ की जरूरत का हर सामान शामिल है।

किट की विशेषता

इस सूटकेस में ब्रांडेड कपड़े, बिस्तर और स्वच्छता से जुड़ी 25 से अधिक वस्तुएं शामिल हैं, जिसकी बाजार दर लगभग 11,000 रुपये है। विधायक की इस संवेदनशीलता को देखकर शाहनियाज आलम और शबनम खातून ने आभार व्यक्त किया।

शासकीय स्कूलों में बेहतर होगी स्वच्छता की स्थिति, शिक्षा उपकर की राशि से संवरेंगे शौचालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने शहर के शासकीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं और स्वच्छता के स्तर को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आयुक्त ने निगम के सभी जोन आयुक्तों को कड़े निर्देश जारी किए हैं कि शिक्षा उपकर मद में प्राप्त राशि का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया जाए।

शिक्षा उपकर की राशि का मुख्य उपयोग निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय स्कूलों के शौचालयों के जीर्णोद्धार, मरम्मत और निर्माण के लिए किया जाएगा। सभी जोन आयुक्तों को अपने-अपने क्षेत्रों के स्कूलों का तत्काल निरीक्षण कर शौचालयों की वर्तमान स्थिति का आकलन करने को कहा गया है। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, ताकि छात्रों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

आयुक्त ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को स्वच्छता संबंधी किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

जनसमस्या निवारण शिविर : 623 आवेदन मिले, 106 का मौके पर निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है-सांसद विजय बघेल

दुर्ग। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुघवा क के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला घुघवा क में किया गया। जनसमस्या निवारण शिविर में 623 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 106 आवेदनों का मौके पर ही निराकृत किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। इस शिविर में पचपेडी, खम्हरिया कु, कोपेडीह, औंधी, सांकरा, उफरा, नारधी, पाहंदा अ, झीट, बटंग, घुघवा ज, रूही, अमलीडीह, जमराव, जामगांव एम, मोतीपुर, महुदा, अमेरी एवं करगा सहित आसपास के ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों में आवेदन जमा किए।

शिविर में सांसद श्री विजय बघेल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में किया जाए। सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 10 जून तक सुशासन तिहार मनाया जा रहा है।

जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सुशासन तिहार के माध्यम से गांव स्तर पर शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविरों से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर सभी विभागों की सेवाएं मिल रही है। ग्राम घुघवा क में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 60 घरों को लाभ मिला है, जिससे ग्रामीणों के बिजली बिल में कमी आई है। उन्होंने अन्य ग्रामीणों से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

शिविर में सांसद श्री बघेल ने एक हितग्राही को व्हील चेयर एवं श्रवण यंत्र प्रदान किया। मनरेगा अंतर्गत 07 हितग्राहियों को 100 दिवस कार्य पूर्ण करने वाले श्रमिकों को प्रमाण पत्र, 04 हितग्राहियों को लर्निंग लाइसेंस, 04 हितग्राहियों को सुपोषण टोकरी तथा 03 हितग्राहियों को आभा आईडी कार्ड वितरित किए। 04 हितग्राहियों को पीएम आवास चॉबी, 10 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 03 हितग्राहियों को जॉब कार्ड एवं 03 लखपति दीदीयों को प्रमाण पत्र, 25 हितग्राहियों को स्वामित्व योजना के तहत अधिकार पत्र, 35 स्वच्छताग्राहियों को सम्मान पत्र प्रदान किए गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती क्रीर्ति नायक, जनपद सदस्य पाटन श्रीमती कुसुम लता, सरंपच शैलेन्द्री साहू एवं भूषण भारद्वाज, सरपंच श्रीमती गायत्री साहू, सभापति जनपद पंचायत पाटन श्री प्रणव शर्मा, एसडीएम श्री लवकेश ध्रुव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जागेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीजन उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का प्रदेशव्यापी आयोजन आज से

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में स्थापित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कल 8 मई को प्रदेश के सभी जिलों में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित होगा। इस प्रदेशव्यापी आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और प्रशासनिक अमला वैवाहिक कार्यक्रम की व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटा है। सामूहिक विवाह समारोहों में विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के 2300 से अधिक जोड़े अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधेंगे। इस आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों के जोड़ों की सहभागिता, छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का उदाहरण बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि यह आयोजन केवल विवाह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और एकता का उत्सव है।

जनसुविधाओं की दिशा में बड़ी पहल, कार्यालय में टोल-फ्री हेल्पलाइन सेवा शुरू

रायपुर। सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए जिला खनिज संस्थान न्यास कार्यालय, कोरबा द्वारा आम नागरिकों के लिए समर्पित टोल-फ्री हेल्पलाइन सेवा 1800-233-1750 की शुरुआत की गई है। कलेक्टर कुणाल दुदावत की पहल पर प्रारंभ की गई यह सेवा प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी, सरल और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस नई व्यवस्था के माध्यम से अब नागरिकों को शिकायत, सुझाव अथवा जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे अपने घर अथवा कार्यस्थल से ही निःशुल्क कॉल कर संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। हेल्पलाइन सेवा पूरी तरह निःशुल्क होगी, जिससे समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ के इसका लाभ उठा सकेंगे। इस हेल्पलाइन के माध्यम से जिला खनिज संस्थान न्यास द्वारा संचालित विकास कार्यों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

आम की छांव में बदले सपनों के मायने

मुख्यमंत्री ने कहा अब करोड़पति दीदी बनने की सोचिए

सुशासन तिहार में वनांचल की महिलाओं से आत्मीय संवाद : संघर्ष की कहानियों में दिखी आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में 4 मई को सुशासन तिहार के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने सरकारी योजनाओं के असर को आंकड़ों से निकालकर मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे ग्रामपंचायत लोखान के कमराखोल में जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अचानक ग्रामीणों के बीच पहुंचे, तो वहां मौजूद महिलाओं के लिए यह केवल मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं थी, बल्कि अपने संघर्षों को पहचान मिलने का भावुक क्षण था।

आम के पुराने विशाल पेड़ की छांव में चौपाल सजी। मुख्यमंत्री महिलाओं और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सहज बातचीत कर रहे थे। गांव की महिलाएं खुलकर अपनी जिंदगी की कहानियां साझा कर रही थीं - कभी आर्थिक तंगी, सीमित अवसर और संघर्षों से भरी जिंदगी, तो आज स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने तक का सफर। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिहान योजना से जुड़कर यहां की कई महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं, तो उनके चेहरे पर संतोष और गर्व दोनों दिखाई दिए। उन्होंने कहा - आप लोगों ने मेहनत और आत्मविश्वास से अपनी जिंदगी बदली है। अब यहीं मत रुकिए। बड़ा सोचिए, आगे बढ़िए। अब आपको करोड़पति दीदी बनने का सपना देखना है। मुख्यमंत्री के ये शब्द चौपाल में मौजूद नारीशक्ति के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं थे। ग्राम कुकदूर की कचरा तेलगाम ने अपनी कहानी साझा की। श्रीमती कचरा तेलगाम ने बिहान योजना से मिले दो लाख रुपये के ऋण से शटरिंग प्लेट्स खरीदीं और नया व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत आसान नहीं थी, लेकिन मेहनत और लगन ने धीरे-धीरे उनकी जिंदगी बदल दी। आज उनके पास लगभग 1700 वर्गफुट शटरिंग सामग्री है और वे 22 से अधिक मकानों के निर्माण कार्य में सहयोग कर चुकी हैं। इस काम से उन्हें हर साल ढाई से तीन लाख रुपये तक की आय हो रही है। कचरा तेलगाम बताती हैं कि पहले वे केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, लेकिन अब वे परिवार की आर्थिक ताकत बन चुकी हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें और भविष्य की बचत -सब कुछ अब वे आत्मविश्वास के साथ संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने जिस अपनेपन से बात की, उससे लगा कि हमारी मेहनत सच में किसी ने देखी और समझी है। अब और आगे बढ़ने का हौसला मिला है।

सुशासन तिहार के इस दौरे ने यह स्पष्ट किया कि शासन की योजनाएं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज गांवों में आर्थिक बदलाव की नई धुरी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ अंचलों की महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और सम्मान के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है। कबीरधाम के इन वनांचल गांवों में आम की छांव के नीचे हुई यह चौपाल महिलाओं के भीतर जगे नए विश्वास, बड़े सपनों और बदलती जिंदगी की नई शुरुआत का प्रतीक बन चुकी है। लखपति दीदी से करोड़पति दीदी तक का यह सपना अब गांव-गांव में नई उम्मीद बनकर फैल रहा है।

सल्फी को नई पहचान देने की कोशिश, बस्तर के हर्षवर्धन का अनोखा प्रयोग

'इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में मिला सम्मान, सल्फी की गुणवत्ता और उपयोगिता बढ़ाने पर कर रहे काम'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक पेय सल्फी को नई वैज्ञानिक सोच और आधुनिक प्रयोगों के माध्यम से स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में स्थापित करने की दिशा में युवा नवाचारक हर्षवर्धन बाजपेयी महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में उनके इस प्रयोग को विशेष सराहना मिली और उन्हें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा न्यू इनोवेशन अवार्ड में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

हर्षवर्धन बस्तर इंडिजीनियस नेक्टर एग्रीकल्चर्स के माध्यम से सल्फी पेय की सेल्फ लाइफ बढ़ाने पर कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सल्फी के प्राकृतिक स्वाद और पोषक गुणों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना है, ताकि यह केवल पारंपरिक पेय तक सीमित न रहकर स्वास्थ्यवर्धक प्राकृतिक ड्रिंक के रूप में भी पहचान बना सके। उन्होंने बताया कि सल्फी का रस पेड़ से निकालने के कुछ समय बाद ही प्राकृतिक रूप से किण्वित होने लगता है, जिससे यह हल्का मादक पेय बन जाता है। यही कारण है कि इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। हर्षवर्धन ने अपने प्रयोगों के माध्यम से इस फरमेंटेशन प्रक्रिया की अवधि को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है, जिससे सल्फी की मूल गुणवत्ता और स्वाद को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सके।

सल्फी बस्तर की आदिवासी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। इसे स्थानीय लोग बस्तर बीयर के नाम से भी जानते हैं। यह कैरियोटा यूरेन्स नामक ताड़ प्रजाति के पेड़ से निकलने वाला मीठा रस है। ताजा सल्फी का स्वाद नारियल पानी की तरह मीठा और ताजगी भरा होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद इसमें प्राकृतिक खमीर बनने लगता है, जिससे यह हल्का नशीला हो जाता है। ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में सल्फी का सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर विशेष महत्व है। विवाह, पारंपरिक उत्सव और सामाजिक आयोजनों में इसे प्रमुखता से परोसा जाता है। कई ग्रामीण परिवारों की आजीविका भी सल्फी पर निर्भर है। स्थानीय लोग इसे पेट संबंधी समस्याओं के लिए लाभकारी भी मानते हैं।

हर्षवर्धन का सपना है कि बस्तर की इस पारंपरिक पेय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिले। वे चाहते हैं कि सल्फी को स्वास्थ्यवर्धक प्राकृतिक पेय के रूप में प्रचारित किया जाए और भविष्य में इसे बस्तर के लिए जीआई टैग भी प्राप्त हो। उनका मानना है कि यदि सल्फी की गुणवत्ता और उपयोगिता को वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित किया जाए, तो यह बस्तर के आदिवासी उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का माध्यम बन सकती है।

नए पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा मावली हिल्स, वॉटर एडवेंचर भी शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य से भरपूर कांकेर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। जिले में भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुल्ला के पिच्चेकट्टा जलाशय को नए वॉटर एडवेंचर के रूप में विकसित किया जा रहा है। सांसद श्री भोजराज नाग ने यहां मावली हिल्स के नाम से विकसित किए गए नए वॉटर एडवेंचर का शुभारंभ किया। विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी भी इस दौरान उपस्थित थीं।

सांसद भोजराज नाग ने वाटर एडवेंचर का शुभारंभ करते हुए कहा कि कांकेर जिले में पिच्चेकट्टा जैसे सैकड़ों पिकनिक स्पॉट हैं। लेकिन पिछले कई दशकों तक माओवादी आतंक के चलते यहां के पर्यटन केंद्रों का विकास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर की पहचान गोला-बारूद से होती थी, अब यह पर्यटन केंद्र के तौर पर जाना जाएगा। श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद खत्म हो गया है। भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी ने इस मौके पर कहा कि पिच्चेकट्टा जलाशय प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। सैलानियों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यारंभ करें - अरुण साव

अधिकारियों को दिए निर्देश- कॉर्पोरेट दफ्तरों की तरह पूरी क्षमता और दक्षता से काम करें मुख्य अभियंता कार्यालय, कार्य संस्कृति सुधारे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विभागीय मुख्य अभियंताओं की बैठक लेकर सड़कों एवं पुल-पुलियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों को कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यारंभ करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने बैठक में कहा कि सभी मुख्य अभियंता कार्यालय कॉर्पोरेट दफ्तरों की तरह पूरी क्षमता और दक्षता से काम करें। उन्होंने विभाग की कार्य संस्कृति में बदलाव लाते हुए फील्ड से लेकर कार्यालय तक तेज गति और जवाबदेही से काम करने को कहा। उप मुख्यमंत्री साव ने परफॉर्मेंस गारंटी की सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग करने और इनके खराब होने पर संबंधित ठेकेदारों से त्वरित मरम्मत कराने को कहा, ताकि नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों की स्थिति खराब पाए जाने पर अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने ऐसी सड़कों का तत्काल ठेकेदारों से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता को भारत सरकार के साथ लगातार समन्वय कर स्वीकृतियों एवं कार्यों में तेजी लाने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी मुख्य अभियंताओं को प्राथमिकता वाले कार्यों की खुद मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने फील्ड पर निकलकर प्राथमिकता वाली सड़कों के कार्यों की प्रगति का हर सप्ताह निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण के लिए कलेक्टरों के साथ समन्वय कर भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने ब्लैक-स्पॉट्स दूर करने के साथ ही सड़कों व पुलों के निर्माण के दौरान सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री साव ने निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों में गुणवत्ता पर जोर देते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों तक लंबित काम विभाग की छवि खराब करता है।

हर हाल में समय-सीमा में काम पूर्ण करने का प्रयास करें। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव, सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं के साथ ही सेतु संभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता भी बैठक में मौजूद थे।

सुशासन तिहार बना किसानों की उम्मीद, केसीसी से खुले तरक्की के रास्ते

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले में सुशासन की अवधारणा को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित ''सुशासन तिहार'' किसानों के लिए खुशहाली का नया पैगाम लेकर आया है। ग्राम हल्बारास में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान उस वक्त एक सुखद दृश्य देखने को मिला, जब बड़ी संख्या में किसानों की समस्याओं का न केवल त्वरित निराकरण किया गया, बल्कि उन्हें शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से सीधे लाभान्वित भी किया गया। इस शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का वितरण और नवीनीकरण रही, जिसने खेती-किसानी को एक नई दिशा देने का मार्ग प्रशस्त किया है।

शिविर के दौरान ग्राम हल्बारास के प्रगतिशील किसान हिराधर भागरथी के चेहरे पर उस समय आत्मसंतुष्टि की मुस्कान तैर गई, जब उन्हें अपना किसान क्रेडिट कार्ड प्राप्त हुआ। अपनी भावनाओं को साझा करते हुए श्री भागरथी ने शासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया और बताया कि उनके पास 7 एकड़ से अधिक उपजाऊ भूमि है, लेकिन अब तक संसाधनों की कमी एक बड़ी बाधा थी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस कार्ड के माध्यम से अब उन्हें बैंक से सुलभ ऋण प्राप्त होगा, जिससे वे खाद, उन्नत बीज और आधुनिक कृषि उपकरणों की व्यवस्था समय पर कर सकेंगे।

श्री भागरथी का कहना है कि अब वे पारंपरिक धान की खेती के दायरे से बाहर निकलकर अन्य नकदी फसलों की ओर कदम बढ़ाएंगे, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी बल्कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने में भी सक्षम होंगे।

इसी कड़ी में, किसान क्रेडिट कार्ड के नवीनीकरण के लिए पहुंचे नवल सिंह राणा के अनुभव इस योजना की जमीनी सफलता को प्रमाणित करते हैं। श्री राणा ने बताया कि केसीसी किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इसने उन्हें साहूकारों के चंगुल और अत्यधिक ब्याज के बोझ से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने साझा किया कि इस कार्ड के माध्यम से उन्होंने न केवल खेती बल्कि पशुपालन जैसे सहायक व्यवसायों के लिए भी ऋण प्राप्त किया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है।

उप मुख्यमंत्री ने 2.06 करोड़ की लागत से घोटिया विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन

शहर के 13 वार्डों को मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति, 8614 उपभोक्ताओं को होगा सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कवर्धा शहर की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए नवीन बस स्टैण्ड घोटिया में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगभग 2.06 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस विद्युत उपकेन्द्र की सौगात दी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह केंद्र शहर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी तथा आम उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उपकेन्द्र के शुरू होने से मेडिकल कॉलेज, नवीन बस स्टैण्ड, कृषि महाविद्यालय, तुलसी नगर और राजदीप कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा, वहीं शहर के 8614 उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कवर्धा शहर की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आज घोठिया स्थित नवीन बस स्टैण्ड के पास नए विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद मात्र ढाई वर्षों के भीतर जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और अब तक चार नए उपकेंद्रों का भूमिपूजन पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दलदली, सेमो और सरेखा में पहले ही उपकेंद्रों का भूमिपूजन हो चुका है, जबकि जल्द ही दुबहा में भी नए उपकेंद्र का भूमिपूजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महज ढाई वर्षों में जिले में पांच सब स्टेशन स्थापित होने जा रहे हैं, जो विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी नए सब स्टेशन और ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे ताकि हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं में बड़ी राहत मिलती है। ढाई साल में अब तक जिले में 486 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके हैं और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि घोटिया उपकेंद्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। अभी तक कवर्धा शहर की पूरी विद्युत व्यवस्था दो पावर ट्रांसफार्मरों के भरोसे संचालित हो रही थी, लेकिन यह तीसरा पावर ट्रांसफार्मर शहर की करीब 40 प्रतिशत आबादी को कवर करेगा। इससे वोल्टेज की समस्या, लाइन फाल्ट और ओवरलोड जैसी परेशानियों से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस नए उपकेंद्र से कवर्धा शहर के 13 वार्डों में विद्युत सप्लाई की जाएगी।

5 एमव्हीए ट्रांसफार्मर और तीन नए फीडर होंगे स्थापित

नवीन उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही यहां से तीन नए 11 केव्ही फीडर मेडिकल कॉलेज फीडर, तुलसीनगर फीडर तथा राजदीप कॉलोनी फीडर निकाले जाएंगे। इन फीडरों के माध्यम से नव निर्मित मेडिकल कॉलेज, नवीन बस स्टैण्ड, कृषि महाविद्यालय, तुलसीनगर एवं राजदीप कॉलोनी क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस नए उपकेन्द्र के प्रारंभ होने के बाद लोहारा नाका स्थित उपकेन्द्र का भार यहां हस्तांतरित किया जाएगा। इससे दशरंगपुर, टाउन-1 तथा रामनगर फीडरों पर दबाव कम होगा। साथ ही 11 केव्ही फीडरों की लंबाई घटने से अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति संभव हो सकेगी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

हर वक्त फैसले लेना थका देता है

मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें।

मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।

मीरा ने कहा, महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है।

मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं।

उन्होंने कहा, जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता-पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है।

वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा, महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े। कभी-कभी खुद से कोई सवाल न पूछना और बस उस पल में जीना भी बहुत जरूरी होता है।

नानी की द पैराडाइज 2 भागों में होगी रिलीज? निर्माताओं ने दी ये प्रतिक्रिया

साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज को देखने का इंतजार बढ़ गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान किया, जो 21 अगस्त, 2026 है। दरअसल, पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज होना था, जिससे इसकी टक्कर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश की टॉक्सिक से होने की संभावना थी। इस बदलाव के बीच द पैराडाइज के 2 भागों में रिलीज होने की चर्चा थी, जिसपर निर्माताओं ने प्रतिक्रिया दी है।

रिपोर्ट के हवाले से बताया, द पैराडाइज के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को स्टैंडअलोन के रूप में रिलीज करेंगे। मतलब यह कि फिल्म को कोई सीक्वल नहीं होगा। इसे एक स्वतंत्र प्रोडक्शन के रूप में रिलीज किया जाएगा, इसका किसी अन्य प्रोजेक्ट से कोई संबंध नहीं होगा। बताया जाता है कि निर्माताओं ने फिल्म के भविष्य को लेकर उत्सुक एक प्रशंसक के सवाल पर यह स्पष्टीकरण दिया है। द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है जिसमें मुख्य अभिनेता के अलावा, राघव जुयाल, मोहन बाबू, तनिकेला भरानी, सोनाली कुलकर्णी, संपोर्नेश बाबू और ईश्वरी राव जैसे सितारे दिखेंगे। निर्माताओं का दावा है कि यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म होगी। इसकी कहानी एक वंचित समूह के इर्द-गिर्द घूमेगी जो अपने अधिकारों के लिए सत्ता को चुनौती देता है। बता दें, नानी आखिरी बार फिल्म हिट: द थर्ड केस में नजर आए थे जो मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

संतरे के छिलकों का इन 5 तरीकों से करें इस्तेमाल, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

आमतौर पर लोग संतरे के छिलके को फेंक देते हैं, लेकिन यह त्वचा की देखभाल करने और घर को ताजगी देने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के छिलकों में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनसे आप संतरे के छिलकों का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा और घर को ताजगी दे सकते हैं।

चेहरे की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलके का पाउडर चेहरे की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को धूप में सुखाकर पीस लें और फिर उसमें थोड़ा दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा महसूस होगा। यह उपाय त्वचा को निखारने में भी मदद करता है।

स्क्रब बनाएं और इस्तेमाल करें

संतरे के छिलके का स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को पीसकर उसमें थोड़ा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों, पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर हल्के हाथों से मलें और फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब आपकी त्वचा को मुलायम बनाने के साथ-साथ मृत कोशिकाओं को भी हटा सकता है।

दांतों को चमकाने में करें मदद

संतरे के छिलके का इस्तेमाल दांतों को चमकाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए एक साफ कपड़े या ब्रश पर थोड़ा सा संतरे का छिलका रगड़ें और उसे अपने दांतों पर हल्के हाथों से मलें। इससे आपके दांत साफ होंगे और उनकी चमक भी बढ़ेगी। यह तरीका न केवल आपके दांतों को साफ करता है बल्कि मुंह की बदबू को भी दूर करता है।

घर की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलके का पानी बनाकर उसका उपयोग घर की सफाई के लिए किया जा सकता है। इसके लिए कुछ संतरे के छिलकों को पानी में उबाल लें और जब पानी ठंडा हो जाए तो उसे स्प्रे बोतल में भर लें। इस मिश्रण का छिड़काव करने से घर की सतहें साफ होंगी और ताजगी भी मिलेगी। यह तरीका फर्श, टेबल, काउंटरटॉप आदि को साफ करने के लिए बहुत ही प्रभावी है।

तनाव कम करने के लिए करें इस्तेमाल

संतरे के छिलकों की खुशबू तनाव कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप कुछ सूखे हुए संतरे के छिलकों को पानी में उबालें और इस पानी को कमरे में फैलाएं या फिर नहाते समय इस पानी का इस्तेमाल करें। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इस प्रकार संतरे के छिलके कई तरीकों से हमारे जीवन में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

गोल्डन साड़ी में काजल अग्रवाल ने बिखेरा जलवा, ग्रेस और ग्लैमर का दिखा परफेक्ट कॉम्बिनेशन

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका एलिगेंट और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला रहा है। ट्रेडिशनल साड़ी को मॉडर्न टच के साथ कैरी करते हुए काजल ने फैंस को एक नया फैशन इंस्पिरेशन दिया है। उनका ये लुक ना सिर्फक्लासी है, बल्कि शादी या फेस्टिव मौके के लिए भी परफेक्ट ऑप्शन है।

काजल ने गोल्डन शिमरी साड़ी पहनी है, जिसमें हल्की चमक उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं। उन्होंने हाई-नेक, फुल स्लीव्स वाला एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी किया है, जो बहुत ही डिटेल्ड और स्टाइलिश लग रहा है। साड़ी को उन्होंने बहुत सलीके से ड्रेप किया है, जिससे उनका फिगर और भी एन्हांस हो रहा है।

बालों को उन्होंने जूड़ा में बांधा है, जिससे उनका लुक क्लीन और एलिगेंट दिख रहा है। न्यूड मेकअप के साथ सॉफ्ट आई मेकअप और हल्के लिप शेड ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को हाइलाइट किया है। उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें छोटे ईयररिंग्स ओवरऑल लुक को बैलेंस कर रहे हैं। उनका पूरा लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न का परफेक्ट मिक्स है, जो उन्हें ग्रेसफुल और क्लासी बना रहा है।

क्या गाजर खाने से नजर होती है तेज? जानिए इस मिथक की सच्चाई

आंखों के स्वास्थ्य के लिए गाजर खाने की सलाह अक्सर दी जाती है। इसका कारण यह है कि इस सब्जी में विटामिन-ए होता है, जिसे आंखों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसलिए, यह मान्यता है कि गाजर खाने से रात में बेहतर नजर आता है। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वाकई गाजर खाने से आंखों की रोशनी पर कोई असर पड़ता है या नहीं।

गाजर और विटामिन-ए का संबंध

गाजर में बीटा-कैरोटीन नामक एक तत्व होता है, जो शरीर में विटामिन-ए में बदल जाता है। विटामिन-ए आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है और यह कम रोशनी में देखने की क्षमता को बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि केवल गाजर खाने से ही आपकी आंखों की रोशनी में सुधार होगा। इसके लिए संतुलित डाइट और अन्य पोषक तत्व भी जरूरी होते हैं।

रात में बेहतर नजर आने का भ्रम

यह सच है कि विटामिन-ए की कमी से रात में देखने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि केवल गाजर खाने से इसका समाधान हो जाएगा। इसके लिए आपको संपूर्ण खान-पान में बदलाव करने होंगे और सभी जरूरी पोषक तत्वों से लैस व्यंजन खाने होंगे। इसके अलावा आखों के चिकित्सक से मिलकर अपनी आखों की जांच जरूर करवा लें। इससे आप जरूरी सावधानियां बरत सकेंगे।

संतुलित डाइट का महत्व

आंखों की सेहत के लिए संतुलित डाइट बहुत जरूरी है। इसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, और अन्य पोषक तत्व शामिल होने चाहिए। विटामिन-ए के अलावा विटामिन-सी, विटामिन-ई, जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन सभी पोषक तत्वों का संतुलित मिश्रण आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसलिए, केवल गाजर पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। संतुलित डाइट से ही बेहतर परिणाम मिलेंगे।

नियमित जांच कराएं

आंखों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए नियमित जांच करानी चाहिए, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको किसी तरह की परेशानी महसूस हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क करें और सही उपचार करवाएं। इसके अलावा अपनी आंखों की देखभाल के लिए सही जानकारी और सलाह लेना भी जरूरी है। सही जानकारी और नियमित देखभाल से आप अपनी आंखों की सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

निष्कर्ष

इस लेख से साफ हो जाता है कि केवल गाजर खाने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार नहीं होगा। सही जानकारी और संतुलित डाइट ही आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। किसी एक खाद्य पदार्थ पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसे अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ मिलाएं और समय रहते आखों का इलाज भी करवा लें। ज्यादा मोबाइल आदि चलाने की आदत से भी बचें।

खास खबर

बस्तर में चावल महोत्सव के साथ गूँजे रोजगार और आवास पूर्णता के संकल्प

रायपुर। बस्तर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में गुरुवार को ग्रामीण विकास और सशक्तिकरण का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। शासन के निर्देशानुसार आयोजित चावल महोत्सव को रोजगार दिवस और आवास दिवस के साथ एकीकृत कर एक वृहद अभियान के रूप में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर जिले भर में न केवल खाद्यान्न सुरक्षा पर चर्चा हुई, बल्कि बुनियादी सुविधाओं और आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करने के लिए दूरगामी निर्णय लिए गए। आवास दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति पर ध्यान केंद्रित करते हुए बस्तर प्रशासन ने स्पष्ट रणनीति साझा की, जिसके तहत निर्माणाधीन आवासों को अधिकतम 90 दिनों के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्राम सभाओं में यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए ताकि हितग्राहियों को समय पर किस्तों का लाभ मिल सके।

सुशासन तिहार : त्रिवेणी रात्रे को मिली खुशियों की चाबी, पक्के घर का सपना हुआ साकार

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों व नगरीय निकायों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर आमजनों से आवेदन प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण कर रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम तिलई में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम मुरलीडीह की निवासी त्रिवेणी रात्रे को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के आवास की खुशियों की चाबी सौंपी गई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : कलेक्टर महोबे ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

जांजगीर-चांपा। जिले में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान 5 मई से 20 मई तक जिलेभर में संचालित होगा। अभियान के तहत कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर, कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक खेमादास महंत सहित कृषि एवं समवर्गीय विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। माध्यम से कृषि विभाग की टीम प्रत्येक विकासखंड के गांव-गांव पहुंचकर किसानों को खरीफ मौसम की तैयारी, उन्नत बीजों के उपयोग, प्रयोग के संबंध में जानकारी देगी।

जमीन पर बैठकर उप मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत बम्हनी में आयोजित सुशासन तिहार का समाधान शिविर गुरुवार को ग्रामीणों के लिए सीधे संवाद का मंच बन गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने यहां जमीन पर बैठकर लोगों की समस्याएं सुनीं। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन लेकर पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री ने सभी की बात ध्यान से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर शासन, प्रशासन और आमजन के बीच का सेतु है। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो यह प्रयास होना चाहिए।

ग्राम पंचायत बम्हनी में 24 गांवों के क्लस्टर को शामिल करते हुए शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी परिवार के लिए पीएम आवास सिर्फ एक मकान नहीं होता, बल्कि वर्षों से देखे गए उस सपने का साकार रूप होता है, जहां परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में पीएम आवास की स्वीकृति का निर्णय इसी सोच और प्रतिबद्धता का हिस्सा था। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 में बम्हनी सेक्टर की 24 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 8066 आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 7069 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं वर्ष 2025-26 में 1822 परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 480 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण, नाला सफाई, पुलिया निर्माण, आंगनबाड़ी भवन, पक्की नाली और डबरी निर्माण जैसे 163 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों की कुल राशि लगभग 4 करोड़ 92 लाख रुपये है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न कार्यों में लगे मजदूरों को अब तक 3 करोड़ 73 लाख रुपये का मजदूरी भुगतान किया गया है। उन्होंने स्व सहायता समूहों की महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बम्हनी सेक्टर के 456 स्व सहायता समूहों को 68 लाख 40 हजार रुपये की चक्रीय निधि तथा 312 समूहों को 1 करोड़ 87 लाख 20 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि प्रदान की गई है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सलवाद की समाप्ति के लिए किए प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश नक्सलवाद के दंश से लंबे समय तक पीड़ित रहा। लेकिन गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व और ठोस निर्णयों के साथ 31 मार्च 2026 तक प्रदेश से सशस्त्र नक्सलवाद समाप्ति की समय सीमा तय की गई। दृढ़ इच्छाशक्ति और रणनीति के तहत सशस्त्र नक्सलिज्म की समाप्ति में सफलता हासिल हुई है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहे हैं। अब तक योजना की 27 किश्तें जारी हो चुकी हैं। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता का आधार दे रहा है । उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों पर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू एवं जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल ने भी संबोधित किया।

समाधान शिविर के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। उन्होंने 13 हितग्राहियों को पेंशन पत्र, 3 हितग्राहियों को आवास की चाबी, 25 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 14 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, 7 हितग्राहियों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन प्रमाण पत्र, 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 5 हितग्राहियों को आबादी पट्टा तथा किसानों को किसान पुस्तिका, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और कृषि ऋण चेक वितरित किए।

इस दौरान कक्षा 12वीं में 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र खेमलाल गंधर्व को भी सम्मानित किया गया। जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जन जागरूकता हेतु विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए गए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इन स्टाल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं से आमजन को परिचित कराते हुए उन्हें लाभान्वित करना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं से जुड़ी सभी अहम जानकारियां पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने शिविर में बच्चों का अन्न प्राशन भी कराया।

गजमार पहाड़ मंदिर बनेगा रायगढ़ का नया धार्मिक पर्यटन आकर्षण

जनसहयोग से निर्मित होगी लगभग 10 टन वजनी प्रतिमा, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ शहर का ऐतिहासिक गजमार पहाड़ मंदिर अब धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहां स्थापित होने जा रही 51 फीट ऊंची भव्य कांस्य बजरंगबली प्रतिमा के लिए वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने विधिवत भूमिपूजन किया।

वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुए कार्यक्रम के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम और जय बजरंगबली के जयघोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का वातावरण देखने को मिला। पूजा-अर्चना के पश्चात विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गजमार पहाड़ मंदिर बनेगा रायगढ़ का नया धार्मिक पर्यटन आकर्षण

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ आने वाले समय में औद्योगिक एवं सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा।उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ पर स्थापित होने वाली यह भव्य कांस्य बजरंगबली प्रतिमा शहरवासियों की श्रद्धा, विश्वास और जनभागीदारी का प्रतीक बनेगी। लगभग 10 टन वजनी इस प्रतिमा का निर्माण जनसहयोग से किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहाड़ मंदिर लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्रतिमा स्थापना के बाद यह स्थल प्रदेश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल होगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार, पर्यटन गतिविधियों और छोटे व्यापारों को नई गति मिलेगी।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का माध्यम भी है। उन्होंने इस कार्य में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग से बनने वाली यह प्रतिमा समाज की सामूहिक शक्ति और आस्था का प्रतीक होगी।

कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, अरुणधर दीवान, गुरूपाल भल्ला सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के सदस्य, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार शिविर में कौशिल्या साहू को आवेदन करते ही मिला आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन के मंशानुरूप आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित किए जा रहे सुशासन तिहार शिविर हितग्राहियों के लिए बेहद मददगार साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के ग्राम पंचायत मोहतरा में 6 मई 2026 को आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में एक सुखद तस्वीर सामने आई, जहां ग्राम की निवासी कौशिल्या साहू को उनके आवेदन पर तत्काल आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।

शिविर में अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को लेकर पहुंची कौशिल्या साहू ने जैसे ही आयुष्मान कार्ड के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत किया, प्रशासन द्वारा सक्रियता दिखाते हुए मौके पर ही उनके नाम से कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें कार्ड सौंप दिया गया। हाथों-हाथ आयुष्मान कार्ड मिलने पर कौशिल्या साहू के चेहरे पर खुशी साफझलक रही थी। उन्होंने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से अब सरकार खुद चलकर ग्रामीणों के द्वार तक पहुंच रही है।

त्वरित न्याय और सुविधा मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्ड उनके परिवार के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी लेकर आया है। प्रशासन की इस संवेदनशीलता और शिविरों के माध्यम से मिल रहे त्वरित समाधान की ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रशंसा हो रही है।

पीडीएस व्यवस्था होगी और भी पारदर्शी

छत्तीसगढ़ शासन ने जारी किए कड़े दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राशन वितरण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग और पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि दूरस्थ वनांचलों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक सभी उचित मूल्य दुकानों में हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को उचित मूल्य दुकानों का अनिवार्य रूप से नियमित निरीक्षण करना होगा। स्टॉक और वितरण का समय-समय पर भौतिक सत्यापन कर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक माह राशन का वितरण सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही हो। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राशन वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड संधारण की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। कोई भी पात्र परिवार अपनी खाद्य सुरक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

शिविर में ही समस्या का निराकरण हो जाना एक बड़ी उपलब्धि- मंत्री देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिलो में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस कड़ी में 1 मई से ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कोरबा नगर निगम क्षेत्र के शहरी वार्डों की समस्याओं के समाधान हेतु जनसमस्या निवारण शिविर की शुरुआत मुख्य अतिथि, कोरबा के विधायक एवं प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की उपस्थिति में की गई। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया।

शहरी क्षेत्र के सुशासन तिहार का शुभारंभ किया उद्योग मंत्री ने हितग्राहियों को योजनाओं

से किया लाभान्वित, सामग्री का किया वितरण

नगर पालिक निगम अंतर्गत जोन कार्यालय, पानी टंकी वार्ड में 1 से 10 वार्डों के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में 1 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार का आयोजन ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में होगा। इस तिहार के सफल आयोजन हेतु मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का विशेष धन्यवाद करता हूँ, जिनकी पहल से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक के जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि इस शिविर में समस्याओं का आसानी से निराकरण हो पाता है क्योंकि सभी विभागीय अधिकारी मौके पर ही उपस्थित रहते हैं। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार में केवल अधिकारी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बीहड़ एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पहुँचकर विकास कार्यों का जायजा ले रहे हैं, लोगों की समस्याओं को समझ रहे हैं और उनका त्वरित निराकरण भी सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव और शहर की समस्याएँ भिन्न होती हैं, ऐसे में शिविर में किसी भी समस्या का तत्काल निराकरण होना एक बड़ी उपलब्धि है।

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ करें निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोण्डागांव जिले के प्रभारी सचिव भीम सिंह ने बुधवार को केशकाल विकासखंड के ग्राम धनोरा स्थित पीएमश्री स्कूल में सुशासन तिहार को लेकर सभी जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने निर्धारित बिन्दुओं विभागवार शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना व पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव श्री भीम सिंह ने कहा कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार के तहत प्राप्त हो रहे आवेदन पर सभी विभाग नागरिकों की समस्याओं एवं मागों को लेकर प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लें और समुचित निराकरण करें। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभागों के योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर रखें और

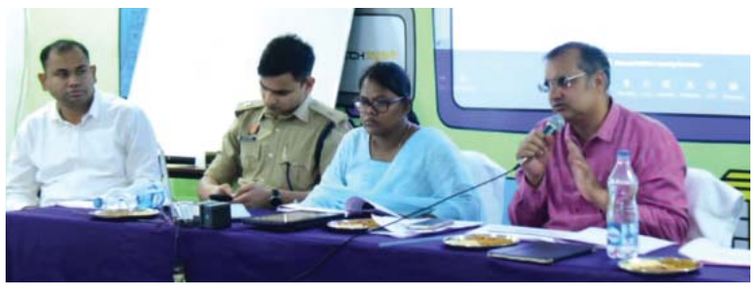

सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी के तहत समय सीमा में नागरिकों के आवेदनों पर निराकरण के संबंध में सख्त निर्देश दिए। जिले में बिजली की समस्या को दूर करने हेतु विद्युत विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए।

बैठक में उन्होंने जिले में आयोजित हो रहे सुशासन तिहार और बस्तर मुन्ने के आयोजन में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही की जानकारी ली और राजस्व प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रगति की जानकारी लेते हुए स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ हीं राजमिस्त्री की कमी पर राज मिस्त्री के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रभारी सचिव ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जिले के सभी किसानों को लाभ पहुंचाने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए।

प्रभारी सचिव ने जिले में ईंधन की उपलब्धता की भी समीक्षा की और खाद्य अधिकारियों को इस संबंध में फील्ड में निगरानी करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने धान उठाव का कार्य शतप्रतिशत पूर्ण करने हेतु जिला विपणन अधिकारी को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लाभान्वित परिवारों की जानकारी लेते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी हितग्राही विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के हितग्राही रसोई में गैस का ही उपयोग करें और इसके लिए एलपीजी के उपयोग से होने वाले लाभ के बारे में उन्हें जागरूक भी करें। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के प्रगति की भी समीक्षा की और सिकल सेल हेतु समुचित जांच व्यवस्था हेतु सीएमएचओ को निर्देशित किया। साथ ही आयुष्मान कार्ड योजना से शेष नागरिकों को भी लाभ पहुंचाते हुए शतप्रतिशत कार्ड बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता की भी समीक्षा की और निरंतर जांच हेतु निर्देशित किया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सभी शेष किसानों को भी लाभान्वित करने के सख्त निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए।

धमतरी में 150 करोड़ का निवेश: छत्तीसगढ़ में हरित ऊर्जा क्रांति की तैयारी स्थापित होगा बायोगैस संयंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में औद्योगिक विकास और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। जिले में लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र की स्थापना की कवायद तेज हो गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए धमतरी कलेक्टर ने आज इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और ऑयल इंडिया लिमिटेड के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

यह संयंत्र जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदलने की क्षमता रखता है। प्रस्तावित संयंत्र में मुख्य रूप से धान आधारित कृषि अवशेषों (पैरा) और अन्य जैविक कचरे का उपयोग किया जाएगा। इससे पैरा जलाने की समस्या कम होगी और किसानों को उनके कृषि अपशिष्ट का उचित मूल्य मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। 150 करोड़ के इस निवेश से स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

बैठक के दौरान जिला प्रशासन ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि परियोजना के लिए भूमि आवंटन, अधोसंरचना और परिवहन नेटवर्क जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएंगी। ऑयल ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के ष्टश्वह्र श्री संतनु कुमार सैकिया ने जिले में कच्चे माल की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स की संभावनाओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

इस परियोजना में राइस मिलर्स एसोसिएशन ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दिखाई है।

खास खबर

चाकू दिखा कर गुंडा गर्दी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। गुंडा गर्दी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। थाना बोधघाट में टाउन पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिला की एक व्यक्ति तिरंगा चौक मिशन स्कूल के पास सार्वजनिक स्थान में खड़ा होकर अपने पास एक बटनदार चाकू रखकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है। तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया। एक व्यक्ति अपने कब्जे में बटन दार चाकू लहराकर धमकाते हुए मिला जिसे पकड़कर नाम पता पूछने पर अपना नाम हरीश ताती निवासी नया मुंडा तिरंगा चौक जगदलपुर का रहने वाला बताया। जिसके कब्जे से उक्त बटनदार चाकू को जप्त करते हुए उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ धारा 25,27 आर्म्स एक्ट अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर उक्त आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है।

पुराने विवाद में गले पर चाकू मारकर युवक की हत्या

धमतरी। जिले के भखारा में पुराने लेन-देन और एक्सीडेंट विवाद ने खूनी शक्ल ले ली। मामला 6 मई 2026 की रात करीब 9 बजे का है, जब महावीर चौक भखारा में अन्नु निर्मलकर और आरोपी पक्ष के बीच पुराने पैसों के लेन-देन और मोटरसाइकिल एक्सीडेंट को लेकर विवाद शुरू हुआ। संतोष निर्मलकर ने पुलिस को बताया कि उसके पिता अन्नु निर्मलकर के साथ आरोपी शिवम साहू, चिरंजीवी दीवान उर्फ चीकू और राहुल कंवर उर्फ राहुल दीवान ने बहस शुरू की। शिवम साहू ने धारदार चाकू निकालकर अन्नु निर्मलकर के गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। घायल अन्नु निर्मलकर को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन जिला अस्पताल धमतरी में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश के बाद हत्या जैसे गंभीर मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए थाना भखारा में अपराध क्रमांक 48/2026 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी चिरंजीवी दीवान पिता स्वर्गीय रामकुमार दीवान उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 04 भखारा थाना भखारा जिला धमतरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

सड़क हादसे में दो युवक की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर-कोरबा नेशनल हाईवे में अनियंत्रित बाइक से गिरकर तीन युवक गंभीर से घायल हो गए। तीनों दोस्त बाइक से बिलासपुर से कोरबा जा रहे थे। बाइक सवार तीनों युवक रतनपुर के पास पहुंचे थे। इस दौरान बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और ढाबा के पास तीनों गिर गए। ढाबा संचालक और कर्मचारियों ने की मदद बाइक सवार युवकों की पहचान तामेश्वर, जोगेश पटेल और दुर्गेश पटेल के रूप में हुई। ढाबा संचालक ने पुलिस के डायल 112 को सूचना दी। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर भेजा। अस्पताल में उपचार के दौरान जोगेश पटेल की मौत हो गई। वहीं, तामेश्वर ने एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। जबकि, घायल दुर्गेश पटेल की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज चल रहा है।

मंत्रालय में नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगे 23 लाख

फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर पति-पत्नी ने कारोबारी से ऐंठे पैसे, शिकायत पर केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 23 लाख रुपए की ठगी की गई है। पीड़ित कारोबारी ने एक दंपती पर मंत्रालय में पहचान होने का झांसा देकर पैसे ऐंठने और फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगी करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित की शिकायत पर डीडी नगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी पति विश्वनाथ गुप्ता और पत्नी चंदा गुप्ता की तलाश में जुट गई है।

रायपुरा स्थित शिवोम विहार कॉलोनी निवासी आकाश साहू ने पुलिस को बताया कि, वह गाड़ी खरीदी-बिक्री का काम करता है। करीब दो साल पहले उसकी पहचान साथी जितेंद्र बघेल के जरिए विश्वनाथ गुप्ता उर्फ विष्णु गुप्ता से हुई थी। आरोपी खुद को नेताओं और बड़े अधिकारियों का करीबी बताता था।

आकाश के मुताबिक, अगस्त 2024 में विश्वनाथ गुप्ता ने उसे नवा रायपुर मंत्रालय बुलाया। उसकी मुलाकात आरोपी की पत्नी चंदा गुप्ता से भी हुई। दोनों ने दावा किया कि मंत्रालय और जल संसाधन विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर समेत कई पद खाली हैं और वे नौकरी लगवा सकते हैं।

पीड़ित ने अपनी पत्नी रेशमी साहू, रिश्तेदार शेषनारायण साहू और रविशंकर साहू के लिए आवेदन भरवाया। इसके बाद आरोपी दंपती ने अलग-अलग तारीखों में फोन-पे और कैश मिलाकर करीब 23 लाख रुपए ले लिए। शिकायत में बताया गया है कि दिसंबर 2024 में आरोपियों ने मोबाइल पर कथित नियुक्ति पत्र भेजा। जनवरी 2025 में इम्प्लॉय आईडी भी व्हाट्सएप पर भेजी गई। जब पीड़ित अपनी पत्नी और रिश्तेदारों को लेकर मंत्रालय पहुंचा, तब अधिकारियों ने दस्तावेजों को पूरी तरह फर्जी बताया।

मंत्रालय में छापा पड़ने का बनाया बहाना

इस पर आरोपी ने मंत्रालय में रेड पड़ने का बहाना बनाकर कुछ महीने इंतजार करने को कहा। बाद में उसका मोबाइल बंद आने लगा। पीड़ित जब आरोपी के पत्थलगांव स्थित घर पहुंचा तो वहां उसकी पत्नी मिली, जिसने पैसे लौटाने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने तय समय के बाद भी पैसा नहीं दिया, तो पीड़ित ने डीडी नगर पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस मामले में डीडी नगर थाना के विवेचना अधिकारियों ने बताया कि, पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी किया जाएगा।

पेड़ में लटका मिला युवती का शव, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कुदरगढ़ चौकी क्षेत्र के आनंदपुर जंगल में मंगलवार को एक युवती का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतका एक दिन पहले से लापता थी, जिसकी तलाश परिजन कर रहे थे। शव गांव से करीब 500 मीटर दूर जंगल में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका पिछले लगभग दो महीनों से अपने जीजा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। उसके साथ उसकी बहन भी रहती थी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और परिजनों सहित संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों और परिस्थितियों पर स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

हुक्का पार्टी पर पुलिस का छापा, फार्म हाउस से छह युवक दबोचे, कोटपा एक्ट में कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। रात के सन्नाटे में फार्म हाउस के भीतर चल रही हुक्का पार्टी पर डोंगरगढ़ पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि मौके पर मौजूद छह युवक सीधे पुलिस कार्रवाई के घेरे में आ गए। असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार चल रहे अभियान के तहत थाना डोंगरगढ़ पुलिस ने रात्रि अड्डेबाजी चेकिंग के दौरान दबिश देकर हुक्का सेवन करते छह संदिग्ध युवकों को पकड़ा और सभी के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत वैधानिक व प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

मामला राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और एसडीओपी केसरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में असामाजिक गतिविधियों पर लगातार

नजर रखी जा रही है। पुलिस टीम को रात्रि गश्त और अड्डेबाजी चेकिंग के दौरान एक फार्म हाउस में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली, जिसके बाद तत्काल दबिश दी गई। मौके पर विशाल यादव पिता जग्गू यादव उम्र 25 वर्ष निवासी कोटा पारा, बाबू विश्वकर्मा पिता संजय विश्वकर्मा उम्र 18 वर्ष निवासी डोंगरगढ़, भूपेंद्र नायक पिता विनोद नायक उम्र 23 वर्ष निवासी महावीर पारा डोंगरगढ़, रोहन यादव पिता सुखलाल यादव उम्र 19 वर्ष निवासी डोंगरगढ़, दक्ष ठाकुर पिता दीपक ठाकुर उम्र 20 वर्ष निवासी कुम्हार पारा डोंगरगढ़ और तारन निषाद पिता हीरालाल निषाद उम्र 18 वर्ष निवासी खुटा पारा डोंगरगढ़ हुक्का का सेवन करते मिले। पुलिस ने सभी को मौके पर हिरासत में लेकर पूछताछ की और कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों, अड्डेबाजी करने वालों और सार्वजनिक रूप से प्रतिबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों पर आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बहरहाल, डोंगरगढ़ पुलिस की यह कार्रवाई साफ संकेत है कि अब रात की आड़ में चलने वाली हर संदिग्ध महफिल पुलिस की नजर से बच नहीं पाएगी।

कोर्ट परिसर से दिनदहाड़े बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिला न्यायालय परिसर के भीतर उस समय सनसनी फैल गई जब पार्किंग स्थल से दिनदहाड़े एक बाइक चोरी हो गई। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें कि एक वकील के मुंशी ने रोज की तरह अपनी नीले रंग की पल्सर 160 बाइक को न्यायालय परिसर की पार्किंग में खड़ा किया था।

इसी दौरान अज्ञात चोर ने मौके का फायदा उठाते हुए बाइक को चोरी कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि आरोपी युवक बाइक पर बैठा हुआ है और उसे स्टार्ट किए बिना ही पैरों से धकेलते हुए पार्किंग से बाहर सड़क तक ले जाता है। इसके बाद वह बाइक को सड़क पर भी पैर से धकेलकर आगे ले जाता दिखाई देता है।

यह पूरी घटना दिनदहाड़े न्यायालय परिसर के भीतर हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। खास बात यह है कि यह वारदात कोतवाली थाना से महज करीब 30 मीटर की दूरी पर हुई है।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। इस घटना ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिलासपुर में 25 फीट ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत

बोरा फैक्ट्री में काम करते वक्त हुआ हादसा, सुरक्षा में लापरवाही का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में बोरा फैक्ट्री में काम करते समय एक मजदूर 25 फीट की ऊंचाई से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है।

ग्राम जांजी निवासी लक्ष्मी प्रसाद धीवर (45) सोमवार सुबह रोज की तरह काम करने पहुंचा। दोपहर करीब 3 बजे वह प्लांट में ऊंचाई पर चढ़कर सफाई कर रहा था। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से करीब 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि ऊंचाई में काम करते समय उसे कोई सेफ्टी उपकरण नहीं दिया गया था, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रबंधन द्वारा घायल मजदूर को तुरंत राम केयर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप-सुरक्षा में लापरवाही

घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। उनका आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों को जरूरी सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट उपलब्ध नहीं कराए थे। उन्होंने मुआवजे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

फैक्ट्री में श्रम कानून का भी पालन नहीं

परिजनों का कहना है कि फैक्ट्री में पहले भी हादसे हो चुके हैं। इसके बाद भी सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वहीं, आरोप लगाया कि मजदूरों से 12 घंटे तक काम लिया जाता है और उचित पारिश्रमिक भी नहीं दिया जाता। उन्होंने फैक्ट्री में श्रम कानूनों का पालन नहीं करने का भी आरोप लगाया है।

10 दिनों में ट्रेन से कटकर तीन युवकों की मौत, एक की अब तक नहीं हुई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में पिछले 10 दिनों के भीतर ट्रेन से कटकर आत्महत्या और संदिग्ध मौत के तीन अलग-अलग मामले सामने आने से सनसनी फैल गई है। इन घटनाओं में दो मृतकों की पहचान हो चुकी है, जबकि एक अज्ञात युवक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

पहली घटना उरगा थाना क्षेत्र के मड़वारानी के पास की है। यहां रेलवे ट्रैक पर दमखांचा मड़वारानी

निवासी 22 वर्षीय राज सिंह गोंड का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला था। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि जांच के दौरान परिजनों ने जानकारी दी कि राज शराब के नशे में घर पहुंचा था और तोड़फोड़ कर रहा था। मां द्वारा रोकने पर वह गुस्से में घर से जा रहा हूं कहकर निकल गया। आशंका जताई जा रही है कि उसने आवेश में आकर ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना सीएसईबी चैकी क्षेत्र के टीपी नगर फाटक के पास हुई थी, जहां रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिला था। मृतक के पास केवल घर की चाबी बरामद हुई थी। घटना को 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। इसके बाद छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसायटी ने सीएसईबी चैकी पुलिस के सहयोग से युवक का अंतिम संस्कार रीति-रिवाजों के साथ कराया। सोसायटी के जिला अध्यक्ष अविनाश कुमार गुप्ता ने बताया कि संस्था वर्ष 2016 से अब तक लगभग 500 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुकी है। तीसरी घटना बुधवार शाम कोतवाली थाना क्षेत्र में विद्युत संयंत्र जाने वाले रेलवे ट्रैक पर हुई। यहां पानी टंकी कोरबा निवासी 25 वर्षीय अजय निषाद का शव मिला। परिजनों के अनुसार अजय मानसिक रूप से परेशान था और पहले भी आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सब्ज़ी कैरेट के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 1.14 करोड़ का गांजा, दो तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने एक पीकअप वाहन से 1 करोड़ 14 लाख रुपए से अधिक कीमत का गांजा जब्त किया है।

गांजा को खाली कैरेट के पीछे छिपाकर ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, जिले में अवैध गांजा तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि एक पीकअप वाहन क्रमांक एमएच16 सीडी 8741 में ओडिशा की ओर से गांजा लाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के गनियारीपाली गांव स्थित एनएच-53 पर सिल्की ढाबा के सामने नाकेबंदी की गई।जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध पीकअप वाहन को रोककर तलाशी ली। वाहन के डाले में खाली कैरेट के बीच छिपाकर रखी गई बोरियों से 226.600 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे की कीमत करीब 1 करोड़ 14 लाख 30 हजार रुपए आंकी गई है।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वाहन में सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों ने अपनी पहचान अजिनाथ आश्रु जाधव (28) और अक्षय बारुक (32) निवासी अहमदनगर, महाराष्ट्र के रूप में बताई। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे गांजा को ओडिशा के बालिगुड़ा से महाराष्ट्र के अहमदनगर ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, पीकअप वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। दोनों के खिलाफ सिंघोड़ा थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीमेंट बोरी में छिपाकर बेच रहा था शराब, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मामला पुलिस चौकी चिचोला क्षेत्र का है, जहां 6 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ग्राम रंगीटोला से शराब खरीदकर ग्राम नारायणगढ़ में बिक्री करने की तैयारी में है और ग्राम लालबहादूर नगर के पास संदिग्ध हालत में खड़ा है।

चौकी प्रभारी निरीक्षक योगेश पटेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। आरोपी वेदकुमार वर्मा उर्फ छोटे पिता मानसिंग वर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम नागतराई थाना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पीले रंग की सीमेंट प्लास्टिक बोरी बरामद हुई, जिसमें 30 पौवा शोले प्लेन देशी मदिरा शराब रखी थी। प्रत्येक पौवा 180-180 एमएल का था और कुल मात्रा 5.400 बल्क लीटर पाई गई।

जब्त शराब की कीमत करीब 2400 रुपए आंकी गई। पुलिस ने मौके पर शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया और विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय डोंगरगढ़ में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006
Website:-risali.urbancg.gov.in

क्रं./लो.क.वि./2026/250 — रिसाली, दिनांक 05.05.2026

// निविदा सूचना //

नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्माताओं अथवा उनके प्रतिनिधि या पंजीकृत निर्माताओं से आयटम दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं.	कार्य का नाम	लागत (रू. लाख में)
1	नगर पालिक निगम रिसाली के वाहन क्रं. CG07 CM 2536 शक्शन युनिट हेतु नया मोटर 12 HP का क्रय एवं स्थापना कार्य।	1.64
2	नगर पालिक निगम रिसाली के वाहन क्रं. CG07 NA 2038 जेसीबी का संधारण कार्य।	0.64

नियम एवं शर्तें तथा कार्यों का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
रिसाली

ट्रक और बाइक की टक्कर, युवक की मौत

सूरजपुर। सूरजपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलसिवां इलाके में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ट्रक और बाइक की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक ट्रक और बाइक के बीच सीधी टक्कर हुई, जिससे युवक को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सुशासन तिहार

मुख्यमंत्री साय ने समाज प्रमुख को सौंपा टेंट एवं बर्तन सामग्री, ग्राम आमगांव में बढ़ेगा रोजगार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत खैरागढ़ वनमण्डल द्वारा रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के राज्य कैम्पा (क्षतिपूर्ति वर्गीकरण) मद से आस्थामूलक कार्यों के लिए ग्राम आमगांव के समाज प्रमुख विष्णु ठाकरे को टेंट एवं बर्तन सामग्री प्रदाय की गई। बीते दिनों यह सामग्री मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के करकमलों से सौंपे जाने पर कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर सामाजिक एवं पारंपरिक आयोजनों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। समाज प्रमुख विष्णु ठाकरे ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे गांव में सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा होगी और आय के नए साधन भी विकसित होंगे। इस पहल को ग्रामीणों ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सार्थक कदम बताया, जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

'सेवा सेतु': सुशासन और डिजिटल प्रशासन का नया अध्याय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में सेवा सेतु एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल,त्वरित और डिजिटल माध्यम से पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी सोच का परिणाम है कि अब आय,जाति, निवास प्रमाण-पत्र, विवाह पंजीयन, राशन कार्ड, भू-नक़ल सहित 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पहले नागरिकों को अलग-अलग विभागों की सेवाओं के लिए विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। प्रमाण-पत्र बनवाने जैसी मूलभूत सेवाओं में समय, श्रम और आर्थिक संसाधनों की बड़ी खपत होती थी। सेवा सेतु ने इस पारंपरिक व्यवस्था को बदलते हुए नागरिकों को वन स्टॉप सॉल्यूशन उपलब्ध कराया है। अब लोग ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर रहे हैं और निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। राज्य शासन की यह पहल केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति में बदलाव का भी संकेत है। यह व्यवस्था नागरिकों को यह भरोसा दिला रही है कि शासन उनकी सुविधा और अधिकारों को प्राथमिकता दे रहा है।

86 से बढ़कर 441 सेवाएं

छत्तीसगढ़ में पहले ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से केवल 86 सेवाएं उपलब्ध थीं। समय की आवश्यकता को देखते हुए इसका उन्नत संस्करण सेवा सेतु विकसित किया गया,जिसमें अब 441 सेवाएं जोड़ी जा चुकी हैं। इनमें 54 नई सेवाएं शामिल हैं, जबकि विभिन्न विभागों की 329 री-डायरेक्ट सेवाओं का भी सफल एकीकरण किया गया है। 30 से अधिक विभाग इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं, जिससे नागरिकों को अलग-अलग पोर्टल या कार्यालयों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनी हैं।

समयबद्ध सेवा का भरोसा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत नागरिकों को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। सेवा सेतु इसी अधिकार को व्यवहारिक रूप से मजबूत कर रहा है। पिछले 28 महीनों के आंकड़े इस व्यवस्था की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं। इस अवधि में 75 लाख 70 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 68 लाख 41 हजार से अधिक मामलों का निराकरण किया गया। इनमें 95 प्रतिशत से अधिक आवेदन तय समय-सीमा में निपटाए गए। यह आंकड़ा प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। चिप्स कार्यालय के अनुसार सबसे अधिक आवेदन आय प्रमाण-पत्र के रहे, जिनकी संख्या 32 लाख से अधिक है। इसके अलावा मूल निवास प्रमाण-पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण-पत्र, अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र और भू-नक़ल संबंधी सेवाओं का भी बड़े पैमाने पर उपयोग हुआ है। यह दर्शाता है कि नागरिकों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी सेवाओं को डिजिटल माध्यम में लाना कितना आवश्यक था। अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोग भी कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और इंटरनेट आधारित सेवाओं के माध्यम से सुविधाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। व्हाट्सएप तक पहुंची सरकारी सेवाएं तकनीक के बढ़ते उपयोग को देखते हुए अब सेवा सेतु की सेवाओं को व्हाट्सएप से भी जोड़ा गया है। इससे लोगों को जानकारी प्राप्त करने और सेवाओं तक पहुंचने में और अधिक सुविधा मिल रही है। अब तक 3.3 करोड़ से अधिक डिजिटल ट्रांजेक्शन इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जा चुके हैं।

पारदर्शिता और विश्वास का नया मॉडल

सेवा सेतु केवल एक पोर्टल नहीं, बल्कि नागरिक और शासन के बीच भरोसे का नया सेतु बनता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक वर्कफ्लो प्रणाली के कारण आवेदन प्रक्रिया की निगरानी संभव हुई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और अनावश्यक विलंब में कमी आई है। राज्य सरकार की यह पहल प्रशासनिक सुधार, तकनीकी नवाचार और नागरिक सुविधा का समन्वित उदाहरण है। यदि इसी गति से सेवाओं का विस्तार और गुणवत्ता सुधार जारी रहा, तो सेवा सेतु आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन सकता है। डिजिटल युग में सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समय पर और सरल तरीके से जनता तक पहुंचाना है। सेवा सेतु इसी सोच को साकार कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ में प्रशासन को अधिक मानवीय, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। निश्चित रूप से सेवा सेतु आने वाले वर्षों में राज्य की डिजिटल प्रशासनिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना, लाखों उपभोक्ताओं को राहत देने वाली पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम जनता को राहत पहुंचाने और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 लागू की गई है। यह योजना घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल के भुगतान में राहत देने के साथ-साथ आसान समाधान उपलब्ध करा रही है।

योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल का भुगतान एकमुश्त अथवा आसान किस्तों में करने की सुविधा दी गई है। विशेष बात यह है कि 31 मार्च 2023 तक के बकाया बिजली बिलों पर 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे लाखों परिवारों को आर्थिक राहत मिल रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी उपभोक्ता आर्थिक कारणों से बिजली सुविधा से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ योजना को सरल और सुलभ बनाया गया है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं का पंजीयन अनिवार्य रखा गया है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पंजीयन की व्यवस्था विभिन्न माध्यमों से उपलब्ध कराई गई है।

उपभोक्ता मोर बिजली एप, **CSPDCL** की आधिकारिक वेबसाइट, नजदीकी बिजली कार्यालय तथा विशेष पंजीयन शिविरों के माध्यम से आसानी से अपना पंजीयन करा सकते हैं। यह योजना 12 मार्च 2026 से लागू है तथा योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। अब तक लाखों उपभोक्ता योजना से जुड़ चुके हैं और बड़ी संख्या में प्रकरणों का निराकरण कर उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपए की राहत प्रदान की जा चुकी है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक प्रदेश के 07 लाख 24 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया है। 1 लाख 63 हजार प्रकरणों का निराकरण कर कुल 06 करोड़ 22 लाख रूपये से अधिक की राहत प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और आम नागरिकों को राहत पहुंचाने वाली योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 इसी जनहितकारी सोच का परिणाम है, जो लाखों उपभोक्ताओं के जीवन में राहत और विश्वास लेकर आई है।

वर्षा जल को सहेजकर जिला प्रशासन भू-जल स्तर को बढ़ाने कर रहा है अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने और गिरते भू-जल स्तर को बचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बलौदाबाजार द्वारा शुरू की गई मुहिम अब धरातल पर बड़े सकारात्मक परिणाम दिखा रही है। प्रशासन की दूरदर्शी सोच और जन-भागीदारी के समन्वय से जिले ने जल संचयन एवं संवर्धन के क्षेत्र में देश भर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'मोर गांव, मोर पानी' अभियान 2.0 एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत अब तक जिले के 722 गांव,517 ग्राम पंचायत, 9 नगरीय क्षेत्र में 87137 जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इनमें सोख्ता गड्ढे, चेक डैम, तालाबों का गहरीकरण और रूफ-टॉप हार्वेस्टिंग जैसे कार्य शामिल हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से बारिश के पानी को बहकर व्यर्थ जाने से रोककर सीधे जमीन के भीतर उतारा जा रहा है।

जिले में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कुल 87173 कार्यों का जेएसए-सीटीआर पोर्टल में प्रविष्टि किया गया है।

'वंदे मातरम' को वैधानिक संरक्षण

राष्ट्रभावना और सांस्कृतिक अस्मिता को मिला नया सम्मान - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करने संबंधी केंद्रीय मंत्रिमंडल के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना को सम्मान देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 (**Prevention of Insults to National Honour Act,** 1971) में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और आत्मसम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' भारत की आत्मा, स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और करोड़ों देशवासियों की राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान 'वंदे मातरम' ने देशवासियों में नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार किया था। यह गीत आज भी हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति समर्पण, सेवा और गौरव की भावना जागृत करता है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निरंतर भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव और जनभावनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान एवं गरिमा को बनाए रखने का आह्वान भी किया।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने वीर सैनिकों को किया नमन

नया भारत अब आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त करने वाला नहीं है - साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस को नमन करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि नए भारत की अटूट इच्छाशक्ति, निर्भीक संकल्प और निर्णायक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आज से एक वर्ष पूर्व पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों द्वारा किए गए घिनौने हमले ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया था, लेकिन भारत ने उस चुनौती का ऐसा जवाब दिया, जिसने इतिहास में शौर्य और संकल्प का स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि नया भारत अब आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भारत चुपचाप सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि मातृभूमि की ओर उठने वाली हर बुरी नजर का निर्णायक और प्रभावशाली जवाब देने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बेजोड़ रणनीति और राष्ट्र के प्रति असीम समर्पण को अमर कर दिया। जिस सटीकता, दृढ़ता और प्रभावशाली क्षमता के साथ आतंक के सरपरस्तों और उनके आकाओं को जवाब दिया गया, उसने वैश्विक मंच पर भारत की सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व की नई पहचान स्थापित की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के प्रति 卐शून्य सहिष्णुता卐 की नीति को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे धरातल पर सिद्ध भी किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं की संयुक्त शक्ति, अत्याधुनिक युद्ध तकनीक और आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक और प्रभावी प्रतिकार भी करता है।

मुख्यमंत्री साय ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर राष्ट्र के उन सभी वीर सपूतों को कोटिशः नमन किया, जिनके शौर्य और पराक्रम ने हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा किया है।

उन्होंने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय सेना का पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

महतारी वंदन योजना

महिला सशक्तिकरण की नई धारा

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर,
उप संचालक, जनसम्पर्क

रायपुर। किसी भी राज्य की प्रगति का सशक्त आधार उसकी महिलाओं की स्थिति होती है। जब महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त होती हैं, तब विकास की प्रक्रिया न केवल तीव्र होती है बल्कि समावेशी भी बनती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित 'महतारी वंदन योजना' इसी समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' के उस संकल्प को भी साकार कर रही है, जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखाई देती है।

महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। मार्च 2024 में प्रारंभ इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक 27 किस्तों में कुल 17,523 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक नहीं, बल्कि राज्य सरकार की उस संवेदनशील सोच का परिचायक है, जो महिलाओं को सशक्त बनाकर समाज को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी करती है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से सामने आ रही

प्रेरक कहानियां इस तथ्य को प्रमाणित करती हैं कि यदि सही दिशा और अवसर मिले, तो महिलाएं अपने जीवन की तस्वीर स्वयं बदल सकती हैं।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंह इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि को खर्च करने के बजाय बचत और निवेश का माध्यम बनाया। धीरे-धीरे उन्होंने एक छोटा किराना स्टोर प्रारंभ किया, जो आज उनके परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन चुका है। उनकी यह यात्रा बताती है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

इसी प्रकार अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम रामनगर की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की करियो ने योजना की राशि से बकरी पालन प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाया है। आज उनके पास कई बकरियां हैं और यह कार्य उनके परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बन गया है। उनके जीवन स्तर में आया सकारात्मक बदलाव इस योजना की प्रभावशीलता को स्पष्ट करता है।

वहीं मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम झाफ्ल की श्रीमती गौरी राजपूत इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग अपनी शिक्षा में कर रही हैं। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने का माध्यम बन गई है।

इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया है। महिलाएं अब इस राशि का उपयोग स्वरोजगार, शिक्षा, पशुपालन एवं पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति में कर रही हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई 'गारंटी' का मूल भाव यही है कि देश की हर महिला को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जाए। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना इसी गारंटी का सशक्त क्रियान्वयन है, जो केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की एक सुदृढ़ नींव बन चुकी है। यह योजना महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। निस्संदेह, 'महतारी वंदन योजना' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के साथ छत्तीसगढ़ की महिलाओं के जीवन में एक नई सुबह लेकर आई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950